सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 353 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 05 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मिले मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के बस्तर दशहरा कार्यक्रम हेतु जगदलपुर प्रस्थान से पूर्व रायपुर आगमन पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने एयरपोर्ट पर सौजन्य भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किये। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री शाह का छत्तीसगढ़ प्रवास पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किये। उन्होंने कहा कि अमित शाह का बस्तर आगमन प्रदेशवासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। बस्तर दशहरा, जो लोक आस्था और परंपरा का प्रतीक है, उसमें उनकी उपस्थिति प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के प्रति केंद्र सरकार की संवेदनशीलता और सम्मान को दर्शाती है। केबिनेट मंत्री यादव ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में सहकारिता क्षेत्र में नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

चरवाहे को जंगली हाथियों ने कुचला, मौत

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मदनपुर गांव के पास चटनियां जंगल में सोमवार को हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई. वहीं दूसरे ग्रामीण ने भाग कर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, कुछ ग्रामीण मवेशी चराने जंगल की ओर गए थे, तभी जंगली ने अचानक दो ग्रामीण पर हमला कर दिया। घटना में एक ग्रामीण ने भागकर अपनी जान बचाई, जबकि एक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दो हाथियों का जोड़ा इस समय जंगल में विचरण कर रहा है. वह किसानों के धान की फसल को भी नुकसान पहुचा रहे हैं। दो से तीन गांवों के ग्रामीण पिछले कई दिनों से हाथियों के आतंक से परेशान हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का किया शुभारंभ

विकास से विश्वास तक की यात्रा में अब सहभागी बनेंगे बस्तर और सरगुजा के सुदूर अंचलवासी : अमित शाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर से नक्सलवाद का अंत शीघ्र होगा और क्षेत्र में शांति स्थापित कर हम विकास के नए आयाम गढ़ेंगे। बस्तर और सरगुजा क्षेत्र के सुदूर अंचलवासी अब विकास से विश्वास तक की यात्रा में सहभागी बनकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने जगदलपुर से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यात्री बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और क्षेत्रवासियों को इस विशेष पहल के लिए शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। लाल आतंक की समाप्ति प्रदेश के सुदूर इलाकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेगी। आज प्रारंभ हुई यात्री बस सेवा हमारे नागरिकों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अब 250 गांवों के लोग अपने निकटवर्ती शासकीय कार्यालयों, स्कूलों और अस्पतालों तक आसानी से पहुंच पाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार जनसुविधाओं को बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का उद्देश्य यात्री बस सुविधा से वंचित गांवों में बसों का परिचालन सुनिश्चित करना है। इससे लोग कम लागत में अपने गंतव्य तक समय पर पहुंच सकेंगे। रोज़मर्रा के कामकाज, शासकीय कार्यों और अन्य गतिविधियों में भी सहूलियत बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना का लक्ष्य उन गांवों तक बस सेवा पहुँचाना है, जहाँ अब तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इस पहल से ग्रामीणों को सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक यात्रा का अवसर मिलेगा, जो उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योजना की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बस संचालकों को वायबिलिटी गैप फंडिंग प्रदान करने का प्रावधान किया है। यह वित्तीय सहयोग संचालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाएगा, ताकि वे इन दूरस्थ क्षेत्रों में निरंतर सेवा दे सकें। यह कदम न केवल परिवहन सुविधाओं को मजबूत करेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में भी योगदान देगा।

इस योजना के तहत लगभग 250 गांव पहली बार बस सेवा से जुड़ रहे हैं। यह ग्रामीण छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास को गति देगा। ग्रामीणों को अब अपनी आवश्यकताओं के लिए लंबी दूरी पैदल तय करने या निजी वाहनों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस योजना की शुरुआत पर कहा कि हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी गांव विकास की मुख्यधारा से न छूटे। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने और उन्हें शहरों से जोड़ने का प्रयास है। यह योजना न केवल परिवहन की सुविधा देगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी। यह योजना न केवल परिवहन की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगी।

योजना के पहले चरण में बस्तर और सरगुजा पर फोकस

योजना के पहले चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग को प्राथमिकता दी गई है। इन क्षेत्रों में कुल 34 मार्गों पर 34 बसों का संचालन प्रारंभ होगा। इस पहल से 11 जिलों के 250 नए गांव बस सेवा से जुड़ेंगे। यह प्रयास विशेष रूप से उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगा, जहां सड़क संपर्क सीमित है और लोग जिला मुख्यालय या अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करते हैं।

ग्राम पंचायत से जिला मुख्यालय तक कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक निर्बाध बस कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। इससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। योजना के तहत संचालित बसें समयबद्ध और सुरक्षित यात्रा का भरोसा देंगी, जिससे ग्रामीणों का समय और संसाधन दोनों की बचत होगी।

युवाओं के लिए खुला 62,000 करोड़ रुपए का पिटारा

पीएम मोदी ने की कौशल और रोजगार की बौछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को एक नई दिशा देते हुए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का अनावरण किया। इस महात्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश में कौशल विकास, आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसरों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी घोषणा 'पीएम-सेतु' (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) योजना रही, जो ?60,000 करोड़ के विशाल निवेश वाली एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इस योजना के तहत देश भर के 1,000 सरकारी आईटीआई को 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल पर उन्नत किया जाएगा। इससे ये संस्थान उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेड, डिजिटल शिक्षण प्रणाली और इनक्यूबेशन जैसी सुविधाओं से लैस होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा, हमारे आईटीआई 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए कार्यशालाएं हैं। आज का यह समारोह भारत में कौशल को दिए जाने वाले महत्व का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने बिहार पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' का शुभारंभ किया, जिसके तहत बिहार के पांच लाख स्नातकों को दो वर्षों तक ?1,000 का मासिक भत्ता मिलेगा। साथ ही, उन्होंने उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए बिहार में 'जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय' का उद्घाटन किया और बिहटा में एनआईटी पटना के नए परिसर का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले दो दशकों में बिहार सरकार ने 50 लाख युवाओं को रोज़गार से जोड़ा है और पिछले कुछ वर्षों में ही लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इस समारोह में वर्चुअली शामिल हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत खुशी की बात है। बिहार में युवा आयोग और कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना से युवाओं को बहुत लाभ मिलेगा। राज्य में 25 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एक और बड़ा कदम उठाते हुए 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन किया।

आईईडी लगाने के दौरान हुआ विस्फोट एक महिला नक्सली घायल

बीजापुर। मद्देड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बंदेपारा के जंगल में नक्सलियों द्वारा आईईडी लगाया जा रहा था, उसी दौरान आईईडी में विस्फोट हुआ, जिसमें एक महिला नक्सली घायल हो गई है । इस घटना के बाद उनके अन्य साथी घायल महिला नक्सली का हथियार लेकर उसे जंगल में छोड़कर भाग गए । स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से इसकी सूचना मिलने पर पुलिस की टीम द्वारा घायल महिला नक्सली गुज्जा सोढ़ी को ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक उपचार उपरान्त जिला अस्पताल बीजापुर पहुंचाया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घायल महिला नक्सली गुज्जा सोढ़ी विगत 6-7 वर्षों से मद्देड़ एरिया कमेटी में एसीएम-कन्ना बुच्चना के साथ नक्सली सदस्य के रूप में सक्रिय रही है, तथा संगठन में 12 बोर हथियार धारित करती थी। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि समाज से भटके युवाओं से हम अपील करते है कि वे हिंसा के रास्ते को त्यागकर मुख्यधारा से जुड़ें, पुलिस हर संभव उनकी सहायता हेतु तत्पर है। गौरतलब है कि जहां एक ओर नक्सली संगठन अपने ही साथियों को संगठन छोडने पर मौत के घाट उतार रहे हैं।

छत्तीसगढ़ को मिला पहला राष्ट्रीय राजमार्ग टनल : सिर्फ 12 महीनों में निर्माण कार्य पूरा, विकास की राह में ऐतिहासिक उपलब्धि

प्रदेश की प्रगति की रीढ़ है सड़क अधोसंरचना, 2.79 किमी लंबी सुरंग बनेगी विकास की नई राहः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने आज बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सिर्फ 12 महीनों में राज्य की पहली राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग (लेफ्ट हैंड साइड) का निर्माण कर लिया है। यह ब्रेकथ्रु इंजीनियरिंग की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ आमजन के जीवन और राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला है।

2.79 किलोमीटर लंबी यह टनल रायपुर विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे का हिस्सा है, जिसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अभनपुर परियोजना कार्यान्वयन इकाई द्वारा निर्मित किया जा रहा है। यह ट्विन ट्यूब टनल जब पूरी तरह तैयार होगी, तो रायपुर से विशाखापट्टनम तक यात्रा का समय काफी कम होगा, व्यापार एवं उद्योग को गति मिलेगी और छत्तीसगढ़, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश के बीच संपर्क और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह टनल समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क एवं परिवहन अधोसंरचना का विकास प्रदेश की प्रगति की रीढ़ है। इस टनल से छत्तीसगढ़ में पर्यटन और सामाजिकङ्कआर्थिक जुड़ाव के नए अवसर भी खुलेंगे।

उन्होंने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन के अनुरूप यह परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए भी विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

जब नाश मनुज पर छाता है

श्रीकंचनपथ

जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है'। ये रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता 'रश्मिरथी' की पंक्ति है, जिसका अर्थ है कि जब मनुष्य पर विनाश आता है, तो उसकी बुद्धि, समझ और विवेक सबसे पहले खत्म हो जाते हैं। जब किसी व्यक्ति या समुदाय पर विनाश का खतरा आता है, तो उसकी सोचने-समझने की शक्ति, सही और गलत में अंतर करने की क्षमता खत्म हो जाती है। इसके चलते व्यक्ति ऐसे फैसले लेता है जो विनाश की ओर ले जाते हैं, और वह किसी भी तरह की चेतावनी या सलाह को सुनने को तैयार नहीं होता। यह पंक्ति महाभारत काल की एक घटना पर आधारित है, जहाँ भगवान कृष्ण के समझाने के बाद भी दुर्योधन ने हठ नहीं छोड़ता बल्कि कृष्ण को ही बंदी बनाने का प्रयास करता है। इसके बाद दुर्योधन सहित कौरव पक्ष के अंत की शुरुआत हो जाती है। इस युद्ध में पांडव पक्ष को भी भारी क्षति का सामना करना पड़ता है। महाभारत के इस खंड में यह संदेश भी छिपा हुआ है कि यदि कौरवों ने पांडवों की पांच गांव की मांग ही पूरी कर दी होती तो महाभारत टल सकता था। भारत और पाकिस्तान के बीच कटुता और संघर्ष भी एक ऐसी ही स्थिति है जो दोनों पक्षों को लहूलुहान करती है। दरअसल, विभाजन के समय की हिंसा ने एक ऐसा जख्म दोनों पक्षों को दिया है जिसमें अबतक टीस बाकी है। साढ़े सात दशक बीतने और कई पीढ़ियों के गुजर जाने के बाद भी यह कम नहीं हुआ है। वीर रस के कवियों की कम से कम दो पीढ़ियों की दाल रोटी इसी पर चलती रही है। पाकिस्तान की सेना का तो पूरा वजूद ही भारत के विरोध पर टिका हुआ है। भारत में भी यह मुद्दा राजनीतिक और भावनात्मक तूफान लेकर आता है। कभी-कभी तो ऐसा लगने लगता है कि सेना तो बाद में कुछ करेगी, उससे पहले आम जनता ही पड़ोसी मुल्क पर चढ़ दौड़ेगी और उसे नेस्तनाबूद कर देगी। राजनीति इसी भावना पर खेलती है। 3 अक्तूबर को भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आर्मी चीफउपेन्द्र द्विवेदी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हैं। 4 अक्तूबर को पाकिस्तान की प्रतिक्रिया आती है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि इन दोनों पक्षों ने क्या-क्या कहा। महत्वपूर्ण यह है कि दोनों पड़ोसियों के बीच किसी भी तरह के संघर्ष का हासिल क्या है? विभाजन क्यों हुआ, किसके चाहने पर हुआ, कौन इसे रोक सकता था, किसने क्यों नहीं रोका, जैसी सारी बातों को अब इतिहास में दफ्न हो जाना चाहिए। भारत और पाकिस्तान दो पड़ोसी मुल्क हैं, एक का घर जलेगा तो दूसरा भी झुलसेगा। लड़ाई झगड़े अपनी जगह हैं पर इतनी गुंजायश रखनी होगी कि रसोई की खिड़की से एक कटोरा कढ़ी का आदान-प्रदान हंसते मुस्कुराते किया जा सके। यह वक्त रामायण और महाभारत से सीख लेने का है।

संपादकीय

संघ से नफरत यूं ही नहीं है

देश में कांग्रेस 100 साल से ज्यादा पुरानी पार्टी है और आरएसएस भी अब 100 साल हो गया है लेकिन दोनों में यह समानता है तो एक अंतर यह है कि आरएसएस 100 साल मे निरंतर बड़ा होता गया है और कांग्रेस छोटी होती गई है। कांग्रेस आजादी के बाद से जानती थी कि आरएसएस ही उसको सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि आरएसएस की जड़ें गांव गांव तक फैली हुई थी, हर क्षेत्र में आरएसएस अच्छा काम कर रही था।

आरएसएस अच्छा काम कर रहा था इसलिए देश के कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेताओं ने भी उसकी तारीफकी थी लेकिन कांग्रेस के नेताओं का एक बड़ा वर्ग था जो आरएसएस की कटु आलोचक था, वह निरंतर इस बात का प्रचार करता रहा कि आरएसएस देश के लिए नुकसानदायक है, वह सांप्रदायिक है, वह देश में हिंदू व मुसलमान करता है, देश में नफरत फैलाता है, देश में कहीं भी दंगे होते थे तो कांग्रेस उसके लिए आरएसएस को ही दोषी बताती थी। कांग्रेस में जब तक पं. नेहरू व इंदिरा गांधी जैसे बड़े नेता थे वह आरएसएस से डरते नहीं थे, क्योंकि उस वक्त देश में उनसे बड़ा कोई नेता नहीं था, जनता के सामने उनका कोई विकल्प नहीं था। जनता को चुनाव में कांग्रेस को ही चुनना था।

इंदिरा गांधी के बाद राजीव गांधी कांग्रेस के बड़े नेता तो थे लेकिन देश के बड़े नेता नहीं थे, इंदिरा गांधी की मौत के कारण उनको एक बार बहुमत मिला, उसके बाद कांग्रेस कमजोर होती गई और राजीव गांधी की मौत के बाद कांग्रेस तेजी से कमजोर हुई,यही वजह है कि 1984 के बाद कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला और उसे साझा सरकार चलानी पड़ी। कांग्रेस जैसे जैसे कमजोर होती गई उसका यह डर बढ़ता गया कि उसे आरएसएस ही सत्ता से हटा सकती है।अटल बिहारी बाजपेयी के वक्त भाजपा ने हटाया भी लेकिन कांग्रेस फिर सत्ता में लौट आई, वह सत्ता में तो रही लेकिन पहले जैसे मजबूत पार्टी नहीं रही।राज्यों में विपक्षी दल उसे कमजोर करता गया।

केंद्र में कमजोर होने के कारण उसे डर बढ़ता गया कि भाजपा एक दिन आरएसएस के ही सहयोग से ही उसको लंबे समय तक सत्ता से हटा सकती है।यही वजह है कि सोनिया गांधी के समय से ही कांग्रेस आरएसएस के प्रति कटु से कटु होती गई। उसके वही नेता खांटी कांग्रेसी नेता माने जाते थे जो संघ की सबसे कटु आलोचना करते थे। आलाकमान को आरएसएस की कटु आलोचना अच्छी लगती थी, इसलिए कांग्रेस नेताओं में आरएसएस की आलोचना करने होड़ लगी रहती थी।कांग्रेस का यह डर 2014 में सही साबित हुआ।कांग्रेस को सत्ता से हटाकर पूर्ण बहुमत की सरकार पहली बार आरएसएस के छत्रछाया में पले बढ़े एक स्वयंसेवक नरेंद्र मोदी ने ही बनाई।

नरेंद्र मोदी कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा खतरा थे, इस बात को कांग्रेस के नेताओं ने उनके गुजरात के सीएम रहते भांप लिया था इसलिए गुजरात के सीएम रहते कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी का पुरजोर विरोध किया। उनको जेल भेजने के लिए क्या कुछ नहीं किया लेकिन नरेंद्र मोदी के राजनीति में आने के साथ ही कांग्रेस की नियति तय हो चुकी थी,हुआ वही जिसका कांग्रेस को डर था। आरएसएस के खांटी स्वयंसेवक ने उनको सत्ता से ऐसा बाहर किया है कि उनके कई बरस सत्ता में वापसी की उम्मीद नहीं है। गांधी परिवार और कांग्रेस नेता आरएसएस व मोदी से इसलिए सबसे ज्यादा नफरत करते हैं उन्होंने कांग्रेस से वह सब छीन लिया जिसे कांग्रेस अपना जन्मजात अधिकार मानती थी। वह मानती थी कि उनको सत्ता से कोई हटा नहीं सकता, आरएसएस व भाजपा ने हटा दिया। वह मानती थी उनका रुतबा कभी खत्म नहीं हो सकता, कांग्रेस व गांधी परिवार का रुतबा आरएसएस के स्वयंसेवक ने खत्म कर दिया है। पूरे देश में राज करने वाली कांग्रेस आज तीन राज्यों तक सिमट कर रह गई है तो इसके लिए वह आरएसएस व भाजपा को दोषी मानती है। क्योंकि भाजपा के अलावा देश के किसी राजनीतिक दल के पास आरएसएस जैसा संगठन नहीं था जिसकी पहुंच देश के हर गांव हर शहर तक हो। भाजपा आज सत्ता में है तो वह

आरएसएस की मदद से है। आगे भी सत्ता में रहेगी तो वह आरएसएस की मदद से ही रहेगी। यही वजह है कि काग्रेस नेता व राहुल गांधी आरएसएस की कटु आलोचना उसके 100 वर्ष पूरे होने पर कर रहे हैं। राहुल गांधी आरएसएस को कायर कहते हैं तो इससे उनके पीड़ा को समझा जा सकता है। इससे आरएसएस को तो कोई नुकसान नहीं होना है लेकिन लोगों का यह समझ में आता है कि राहुल गांधी व कांग्रेस आरएसएस को बुरा बुरा कह रहे हैं तो यूं ही नहीं कह रहे हैं।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है।

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवी के बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

रिलीजन और रिलेजनशिप में अंतर का भाव, और ऊपरी आवरण

अजय दीक्षित

भारत में अभी भी गांव गांव में रामलीला का आयोजन किया जाता है और लोग देखने भी जाते हैं।यह सिलसिला आदि कल 400 वर्षों से हो रहा है।अब लोगों को इसमें नया पन नहीं लगता है। लेकिन लोग नित कुछ नया चाहते हैं। प्राय: लोग रामलीला देखने जाते हैं और ओंगना या सो जाते हैं। क्योंकि उसमें नया पन नहीं है। यद्यपि वह रामलीला धार्मिक है लेकिन लोगों की धार्मिकता नहीं है। धार्मिक होना ऊपरी आवरण जबकि धार्मिकता मन के अंदर की अनुभूति होती है।यही अंतर है दोनों में जैसे लिपिस्टिक लगाने से औरत का स्वास्थ्य नहीं बदलता बल्कि उसका ऊपरी आवरण दिखाई देता है। लेकिन मन का सोच अलग है वह आवरण नहीं है।

गांव में रामलीला चल रही थी सब देखने जाते थे जिसमें बच्चे, स्कूल टीचर, प्राचार्य,सभी शामिल थे।इसी दौरान विद्यालय में दिन में स्कूल निरीक्षक का दौरा हुआ । विद्यालय के टीचर ने सोचा कि जब सब रामलीला देखने जाते हैं तो अच्छा है कि निरीक्षक रामलीला से संबंधित प्रश्न ही पूछ लें क्योंकि उसे आशा थी कि सभी उत्तर दे देंगे तो स्कूल निरीक्षक ने भी कहा कि ठीक है।उसने कक्षा में पूछा कि शिव जी का धनुष किसने तोड़ा था।तो एक छात्र ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया जो सबसे गधा था ।उस छात्र ने कहा कि में पहले ही बता देना चाहता हूं कि मैने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा।इस पर निरीक्षक से शिक्षक ने कहा कि साहब यह गलत कह रहा है कि इसने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा है बल्कि वह बहुत उदंत है।सब इसी ने तोड़ा है,यहां तक कि मेरी कुर्सी भी । निरीक्षक हतप्रभ,उसने कमरे में जाकर प्राचार्य से पूछा कि शिवजी का धनुष किसने तोड़ा तो प्राचार्य ने कहा कि बहुत से बच्चे स्कूल में पढ़ते किसी ने तोड़ दिया होगा, बच्चे है उद्गम मचाते रहते हैं।आप परेशान न हों । निरीक्षक हतप्रभ कि यह कैसी रामलीला है जो कुएं में भंग पड़ी है।वह दौड़ कर मुनुस्पल दफ्तर गया जो स्कूल चलाता था और उसने रामकथा सुनाई तो अध्यक्ष बोले शिवजी का धनुष किसी ने तोड़ दिया है तो हम उसे जुड़वा देंगे और आप कहीको चिंता कर रहे हो। कितना बड़ा धनुष था । और शिवजी बावजी से हमे क्या लेना देना ।कौन है शिवजी ।

यह हाल है रामलीला के । रामलीला देखने जाने वाले ऊब गए हैं कि क्या देखना रामलीला को सब वही तो है नया पन कुछ नहीं है।यह ऊपरी आवरण है इसे रिलीजन कह सकते है जो समाज,परिवार, समूह से मिला हुआ है कि वह हिन्दू है या मुसलमान है।यह आंतरिक नहीं है जो रिलिजनशिप है।

जो अंदर की अनुभूति है और व्यक्ति का चरित्र भी है। मनुष्य की अंतर आत्मा जब झकझोर देती है तो वह कुछ बातों की अनुभूति करता है तब ही उसे धार्मिकता का अहसास होता है। व्यक्ति श्मशान में अर्थी के साथ जाता है तो कुछ देर के लिए अंत:करण में प्रवेश करता है लेकिन फिर वही दीन दुनियां की बातों में लग जाता है और ऊपरी आवरण में आ जाता है। एक गांव की रामलीला में एक पहलवान हनुमान जी का पाठ करता था ऐसा वह हर साल करता था और उसमें कुछ भी नया पन नहीं था।हर साल वह लंका जलाता था।इस बार उसने सोचा कि क्यों न कुछ नया किया जाय तो हनुमानजी ने लंका के बजाय अयोध्या जला दी।अब पहलवाल जो ठहरा कोई क्या कहता।राम बना तो बालक था । इस बार हनुमान ने अपने अंत:करण से अयोध्या जला दी।जबकि हर साल वह अपने बाहरी आवरण में ही रहता था।

नेपाल में अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल गले से नीचे नहीं उतरता

अवधेश कुमार

नेपाल में उथल-पुथल के बीच सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। किंतु इसके पूर्व तीन दिनों में नेपाल जिस अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल और हृदयविदारक घटनाओं से गुजरा उनने सबको डराया है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरु द्ध जेन जी के बैनर से जारी विरोध प्रदर्शन कितने उग्र, हिंसक, अराजक और अनेक मायनों में आपराधिक भी हुए। लगता था जैसे उग्र भीड़ नेपाल की राजनीति और सत्ता से संबंधित हर चीज नष्ट करना चाहती हो। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास, राष्ट्रपति आवास और उच्चतम न्यायालय जला देना, मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, नेताओं को उनके घरों में घुस कर, सड़कों पर दौड़ा कर पीटना और महिलाओं को भी नहीं बख्शना किसी आंदोलन का पर्याय नहीं हो सकता। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी को जलाया गया। शेर बहादुर देउबा की पत्नी विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा की पिटाई वाकई हृदयविदारक थी। लगता था जैसे भीड़ किसी भी नेता को नेपाल की धरती पर साक्षात सहन करने को ही तैयार नहीं थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण ऐसा हिंसक विरोध गले नहीं उतरता।

जरा सोचिए, 28 अगस्त को नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित किया था, जिन्होंने वहां रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था और 3 सितम्बर को आंदोलन आरंभ हो गया। ठीक है कि सोशल मीडिया नई पीढ़ी और सक्रिय लोगों के जीवन में इतनी पैठ बना चुका है कि प्रतिबंध सामान्य तौर पर स्वीकार नहीं हो सकता। नेपाल में सोशल मीडिया के माध्यम से 12 अरब डॉलर माह से ज्यादा का कारोबार हो रहा है। नई पीढ़ी रील बनाने से लेकर अन्य वीडियो आदि से भारी कमाई कर रही है। सोशल मीडिया भुगतान का भी जरिया बन गया है। सरकार का कहना था कि सोशल मीडिया के माध्यम से देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा रहा था, सांप्रदायिक घृणा भी फैलाई जा रही थी।

इसलिए इनका नियमन जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने निबंधन की बात कही थी कि जिसे आधार बना कर सरकार ने प्रतिबंध ही लगा दिया था। उग्र विरोध को देखते हुए प्रतिबंध हटा लिया गया। केवल प्रतिबंध विरोध का कारण होता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। यह तो नहीं कह सकते कि नेपाल में असंतोष और विरोध के कारण नहीं थे। 2006 में माओवादियों के शांति समझौते के बाद 2008 में राजशाही के अंत के साथ शुरू संसदीय लोकतंत्र का प्रयोग नेपाल में अनेक विद्रूपताओं का शिकार हुआ। 17 वर्षों में 14 सरकारों के आने-जाने से बड़ा प्रमाण राजनीतिक अस्थिरता का क्या हो सकता है। ओली ने भारत विरोधी चीन के प्रति झुकाव रखने वाले अजीब किस्म के नेपाली राष्ट्रवाद को प्रचलित किया जिनसे उनके समर्थक-विरोधी, दोनों पैदा हुए।

आप देखेंगे कि काफी समय से नेपाल में अलग-अलग किस्म के आंदोलन चलते रहे हैं, जिनमें नेपाल को फिर हिन्दू राष्ट्र घोषित करने तथा राजशाही की पूर्ण वापसी प्रमुख था। इनकी रैलियों में हजारों लोग आने लगे। ओली ने राजा ज्ञानेंद्र की गतिविधियों को रोकने की कोशिश की तथा आंदोलन में तोड़फोड़ के लिए उन पर 7 करोड़ 93 लाख का जुर्माना भी लगाया। उनकी सुरक्षा परिवर्तित कर दी गई। हाल में नेपाल में मुस्लिम तथा ईसाई समुदाय की बढ़ती आबादी के विरुद्ध भी असंतोष बढ़ा है। मुस्लिम आबादी तराई या मधेस क्षेत्र में है, और उसके कारण समाज में असहज स्थिति पैदा हुई है। इसके विरुद्ध भी छोटे-बड़े प्रदर्शन चलते रहे हैं।

नेपाल वि का एकमात्र हिन्दू राष्ट्र था। 2008 की संविधान सभा सह संसद ने बिना घोषणा के हिन्दू राष्ट्र का अंत कर नेपाल को सेक्युलर देश घोषित किया। इसमें बालेंद्र शाह जैसे रैपर तथा सूदन गुरुंग जैसे एनजीओ संचालकों ने नई पीढ़ी को आकर्षित किया। बालेंद्र ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट, दोनों को पराजित कर काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तथा 2023 में टाइम्स पत्रिका ने उन्हें वि के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल कर दिया। यह नेपाल के लोगों खासकर युवाओं की बदलती प्रवृत्ति का प्रमाण था कि स्थापित नेताओं की जगह ऐसे लोगों को प्रमुखता मिली।

बेरोजगारी के कारण युवाओं का विदेश पलायन नेपाल के लिए आम बात थी। आज नेपाल के लोग दुनिया के अनेक कोनों में हैं, और वहां से प्रभावित हैं। राजनीति, सत्ता, अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, विदेश संबंध, नेताओं की स्थिति पर गहन विमर्श करते हैं तो वहां असंतोष और विद्रोह के आधार व्यापक थे एवं लोगों में वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था से उभर कर नई व्यवस्था स्थापित करने का भाव होना स्वाभाविक है। किंतु कई बार हम जल्दबाजी में घटनाओं की पृष्ठभूमि, उसके पीछे की सोच तथा इसके भयावह प्रभावों का आकलन नहीं कर पाते और अराजक विद्रोह को भी न्यायसंगत ठहरा देते हैं। नेपाल अकेला देश नहीं है, जहां राजनीति भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो।

राजनीति में परिवारवाद या नेताओं के परिवारों का संपन्न और सुख-सुविधाओं से भरे जीवन जीने की स्थिति भी अनेक देशों में है। बेरोजगारी या आर्थिक समस्याओं का सामना अनेक देश कर रहे हैं। इस तरह की स्थिति इसके पूर्व दक्षिण एशिया में श्रीलंका तथा बांग्लादेश में पैदा हुई। बांग्लादेश की घटना के पीछे अमेरिका और पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका थी। शेख हसीना के पलायन के बाद देखा गया कि 1971 के बांग्ला मुक्ति संघर्ष से जुड़े अवशेषों को नष्ट किया गया तथा देश को इस्लामी राज की दिशा में ले जाया गया। कट्टर इस्लामाबादी उग्रवादी समूहों ने आंदोलन को आरक्षण विरोध के बहाने खड़ा किया था। श्रीलंका में भी आप देखेंगे कि राजपक्षे परिवार के शासन के अंत के बाद उसके दिवालिया हो जाने, भुखमरी आदि बातें सामने नहीं आई।

कहने का तात्पर्य इस तरह के विद्रोहों के पीछे ऐसी सोच, विचारधारा, योजना और तैयारी रही है, जिसकी ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। आखिर, यह कैसा आंदोलन है कि बुजुर्ग नेताओं को पीटा जाए, महिलाओं तक को भी न छोड़ा जाए तथा संसद भवन से लेकर उच्चतम न्यायालय तक में आग लगा दी जाए? आज भी स्थिति यह है कि आप ऐसे कृत्यों का विरोध करें तो आपको उग्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान भारत के प्रति विरोध की भी अनेक घटनाएं सामने आई। साफ है कि नेपाल के घटनाक्रम के पीछे के कारणों की गहराई से पड़ताल करनी होगी। पूरे वि में विरोधों का जैसा चरित्र दिख रहा है, उसी क्रम में ही इसे देखा जाना चाहिए।

(लेख में विचार निजी हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

भिलाई इस्पात संयंत्र में वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, संपर्क व प्रशासन, राजभाषा विभाग द्वारा 04 अक्टूबर 2025 को मानव संसाधन विकास केन्द्र के सभागार में वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयंत्र के समस्त कार्यपालक निदेशकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर संयंत्र के विभाग प्रमुखगण एवं उच्चाधिकारीगण, विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण, राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेतागण तथा निर्णायकगण एवं बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी कार्मिकगण उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने वार्षिक पुरस्कारों के क्रम में अपने विभागों एवं अंचलों में हिंदी में कामकाज को प्रोत्साहन के लिए 'राजभाषा उन्नायक सम्मान' कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएँ) तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सिंटरिंग प्लांट्स) अनूप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) टी. के. कृष्ण कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) सुनील सिंगल, मुख्य महाप्रबंधक (बार एण्ड रॉड मिल) योगेश शास्त्री, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) उत्पल दत्ता तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) देबदत्त सतपथी को प्रदान किया।

इस अवसर पर हिंदी में श्रेष्ठ कार्य के लिए 20 कार्मिकों को विशिष्ट सेवा सम्मान' तथा संयंत्र के 10 कार्यालयों को 'राजभाषा समूह/कार्यालय पुरस्कार' प्रदान किया गया। 'निदेशक प्रभारी, राजभाषा वैजयंती' पुरस्कार, खदान क्षेत्र में 'राजहरा लौह अयस्क समूह' को, संकार्य क्षेत्र में 'स्टील मेल्टिंग शॉप-3' को तथा 'गैर संकार्य' क्षेत्र में 'वित्त एवं लेखा विभाग' को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ हिंदी समन्वय अधिकारी का सम्मान महाप्रबंधक सौरभ जैन को प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सदैव अग्रणी रहा है। आज एक बार फिर से ये संकल्प दोहराने का समय है कि हम अपना कार्यालयीन कामकाज तथा विशेषकर पत्राचार हिंदी में ही करें। भारत सरकार, सतत रूप से हिंदी के राष्ट्रव्यापी प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रयासरत है। हमारा भिलाई इस्पात संयंत्र निष्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है।

गुणवता, लाभार्जन, लागत नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में हमने सदैव ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन एवं अनुपालन की दिशा में भी हमें अग्रणी रहना है।

कार्यक्रम के आरम्भ में विभाग प्रमुख महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी ने पुस्तक भेंट कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत किया।

महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) राजीव कुमार ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र में विभिन्न भाषा-भाषी कार्मिक कार्यरत हैं, किंतु सभी कार्मिकों के मध्य संवाद की भाषा हिंदी है। भिलाई इस्पात संयंत्र वर्ष 1991 से हिंदी में कार्यालयीन कार्य संपन्न करने के लिए अधिसूचित संस्थान है, यहाँ अधिकतर कार्य राजभाषा हिंदी में ही किए जाते हैं। उन्होंने समस्त अतिथिगण का स्वागत करते हुए हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यालयीन कार्य करने पर जोर दिया।

समापन समारोह में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित ऑनलाइन क्विज़, तात्कालिक निबंध लेखन, तात्कालिक काव्य लेखन, तात्कालिक चित्र देखें-कहानी लिखें तथा तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन महाप्रबंधक (विद्युत) सौरभ जैन ने किया।

खास खबर

सेवा सप्ताह में लायंस क्लब के सदस्यों ने रक्तदान कर महादान का दिया संदेश

दुर्ग। लायंस क्लब ऑफ़ दुर्ग सिटी द्वारा 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। सेवा सप्ताह के दौरान क्लब द्वारा विभिन्न समाजसेवी एवं रचनात्मक कार्यों को मूर्तरुप दिया जाएगा। सेवा के श्रृंखला में लायंस क्लब ऑफ़ दुर्ग सिटी ने जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान लायन जाफ़र सादाब, महमूद अली हिरानी,अमर सिंह गुप्ता, श्रुति तिवारी, कमलेश सिंह राजपूत के अलावा अन्य लोगों ने रक्तदान कर महादान का संदेश दिया। यह रक्त जररुतमंदों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा क्लब के सदस्यों ने अस्पताल के शिशु वार्ड में जाकर नवजात शिशुओं के परिजनों को आवश्यक उपयोगी किट्स भेंट की। पूरे कार्यक्रम में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एके मिंज मुख्य अतिथि रहे। विशेष अतिथि के रुप में जिला अस्पताल जीवनदीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर मौजूद रहे। मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि द्वारा लायंस क्लब ऑफ़ दुर्ग सिटी के सेवाभावी कार्यों की सराहना की गई। इस दौरान लायंस क्लब ऑफ़ दुर्ग सिटी की अध्यक्ष लायन आकांक्षा मिश्रा तिवारी ने अतिथियों को क्लब के सेवाभावी गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में क्लब के सचिव हरमीत सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष अनीता तिवारी, सेवा सप्ताह संयोजक अमर सिंह गुप्ता ,कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेएफ सतीश सुराना, एसपी डुलाई, जफ़र शादाब, राजेंद्र अग्रवाल के अलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे।

दुर्ग कांग्रेस में अध्यक्ष पद के दावेदारों की भरमार, दावेदारों ने फॉर्म लेने दिखाया भारी उत्साह

दुर्ग। कांग्रेस में दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर और भिलाई शहर के नए अध्यक्षों के चयन के लिए कवायद शुरु हो गई है। इस सिलसिले में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के तहत दुर्ग जिला संगठन चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक और उत्तरप्रदेश के पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त सहायक पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया, पूर्व विधायक विक्रम मंडावी, पूर्व विधायक यूडी मिंज के साथ राजीव भवन (कांग्रेस भवन) दुर्ग पहुंचे। यहां कांग्रेसियों ने पर्यवेक्षक अजय कुमार लल्लू का भव्य स्वागत कर अभिनंदन किया गया। पर्यवेक्षक और सहायक पर्यवेक्षकों के राजीव भवन पहुंचने पर दुर्ग ग्रामीण और दुर्ग शहर से कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदारों में भारी उत्साह रहा। फलस्वरुप दावेदारों ने अध्यक्ष पद का फॉर्म लेने भारी उत्साह दिखाया। दुर्ग शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए करीब 25 से अधिक दावेदारों ने फॉर्म प्राप्त किया है, वहीं दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष पद के लिए 10 से अधिक फॉर्म लिए गए है। नगर निगम के पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा दुर्ग शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए फॉर्म प्राप्त कर अपनी दावेदारी की गई है।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल में स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी में स्वच्छ भारत अभियान के तहत चलाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल में 03 अक्टूबर 2025 को स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल) एम के गोयल के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि स्वच्छता केवल घर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि कार्यस्थल पर भी इसका समान महत्व है। उन्होंने पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक दिन का प्रतीकात्मक आयोजन न होकर एक निरंतर चलने वाला प्रयास होना चाहिए। उन्होंने उपस्थित ठेका श्रमिकों, कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों को स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्ध रहने की शपथ भी दिलाई।

अभियान के दौरान वर्क्स बिल्डिंग-12 और मिल क्षेत्र के बीच सफाई अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्रों से खरपतवार हटाकर स्वच्छता का सन्देश दिया गया। अभियान में विभाग के अनुभाग प्रमुख व महाप्रबंधक (प्रचालन, एमडब्ल्यूआरएम) एस.के. हरिरमानी, महाप्रबंधक (विद्युत, एमडब्ल्यूआरएम) श्रीमती अनुपमा कुमारी, महाप्रबंधक (यांत्रिकी, एमडब्ल्यूआरएम) पी.एस. कोरेटी सहित वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारीगण ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यस्थल और आस-पास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्रबंधक (एच.आर., मिल्स ज़ोन-1) समायला अंसारी, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी सी.आर. साहू और जितेन्द्र कुमार सोनी का विशेष सहयोग रहा।

भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रतिवर्ष अक्टूबर माह में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों में स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियाँ, जनजागरूकता कार्यक्रम और सफाई अभियान चलाए जाते हैं। स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की नहीं बल्कि हर नागरिक और प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है, इस भावना को रेखांकित किया जाता है।

बीएसपी ने सितम्बर 2025 में रचा उत्पादन और प्रेषण का नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने सितम्बर 2025 में विभिन्न उत्पादन एवं प्रेषण मापदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह प्रदर्शन भिलाई इस्पात संयंत्र की परिचालन दक्षता, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग तथा टीम भावना का परिचायक है, जो इसे देश के अग्रणी इस्पात उत्पादक के रूप में स्थापित करता है और भारत के अवसंरचनात्मक विकास में इसके महत्त्वपूर्ण योगदान को सशक्त करता है।

इस्पात गलन शाला-3 (एसएमएस-3) में संयंत्र ने 1,16,493 टन ब्लूम उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया, जो सितम्बर 2024 में प्राप्त 1,14,404 टन के पिछले सर्वोत्तम प्रदर्शन से अधिक है। वहीं रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में भी संयंत्र ने उत्कृष्ट उपलब्धियाँ दर्ज कीं। इस इकाई में कुल फिनिश्ड रेल्स उत्पादन 1,33,366 टन तथा प्राइम रेल्स उत्पादन 1,22,081 टन रहा, जो क्रमश: सितम्बर 2020 में दर्ज 1,23,309 टन और 1,09,717 टन के पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। लॉन्ग रेल कॉम्प्लेक्स ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 98,238 टन का कुल लॉन्ग रेल उत्पादन दर्ज किया, जो सितम्बर 2023 में प्राप्त 84,322 टन के पूर्ववर्ती सर्वोत्तम आंकड़े से अधिक है।

प्रेषण के क्षेत्र में भी बीएसपी ने अपनी प्रगति को और सुदृढ़ किया। यूआरएम में लॉन्ग रेल्स लोडिंग 81,719 टन तक पहुंची, जबकि कुल लॉन्ग रेल लोडिंग 96,744 टन रही, जो सितम्बर 2023 में प्राप्त 74,198 टन और 86,406 टन के पूर्व सर्वोत्तम प्रदर्शन से अधिक है। प्राइम रेल्स का कुल लोडिंग आंकड़ा 1,18,428 टन तक पहुंचा, जो अब तक का सर्वोच्च स्तर है। इसी प्रकार, सेलेबल स्टील की लोडिंग 4,72,628 टन तक पहुंची, जो सितम्बर 2023 में प्राप्त 4,30,344 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। यह उपलब्धि संयंत्र के लॉजिस्टिक्स और मार्केटिंग विभागों के समन्वय और दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

तकनीकी मापदंडों में भी संयंत्र ने दक्षता वृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की। ब्लास्ट फर्नेस-6 में सीडीआई दर 118 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल रही, जो सितम्बर 2022 के 114 के पिछले सर्वोत्तम प्रदर्शन से अधिक है। ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता (1दृ8) 1.91 टन प्रति घन मीटर प्रति दिवस तक पहुंची, जो संयंत्र की अब तक की सर्वश्रेष्ठ उत्पादकता के निकट है। वहीं श्रम उत्पादकता 729 टन प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष रही, जो सितम्बर 2023 में दर्ज 625 टन के रिकॉर्ड को पार करती है, यह संयंत्र की कार्यकुशलता और परिचालन समन्वय में सतत सुधार का प्रमाण है।

इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए संयंत्र प्रबंधन ने समर्पित कार्यबल और विभिन्न परिचालन, अनुरक्षण एवं सेवा विभागों के उत्कृष्ट समन्वित प्रयासों की सराहना की, एवं इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भिलाई के गुणवत्ता, उत्पादकता और सतत सुधार के प्रति समर्पण को पुन: प्रमाणित करता है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी टीम भावना, निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने संयुक्त प्रयासों से इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को संभव बनाया।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने इंदिरा मार्केट में व्यापारियों से की मुलाकात, जीएसटी रिफार्म के लाभों पर की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी रिफार्म (त्रस्ञ 2.0) के प्रभाव और लाभों पर चर्चा के लिए कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने शनिवार को दुर्ग के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र इंदिरा मार्केट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात कर जीएसटी में हुए नवीन सुधारों की जानकारी दी और उनके सुझाव भी सुने।

मंत्री यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जीएसटी 2.0 के माध्यम से कर प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल और व्यापार-हितैषी बनाया है। उन्होंने कहा कि दैनिक उपयोग की वस्तुओं और छोटे व्यवसायिक आइटम्स पर टैक्स दरों में कमी से जहां आम जनता को राहत मिलेगी, वहीं स्थानीय बाजारों में कारोबार को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह सुधार छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक सिद्ध होंगे, क्योंकि इससे टैक्स अनुपालन प्रक्रिया आसान होगी और व्यापार में पारदर्शिता बढ़ेगी। मंत्री यादव ने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए अपने व्यापार को नई दिशा देने में आगे आएं।

कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमति अलका बाघमार, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा, भाजपा नेता एवं चेम्बर ऑफ कॉमर्स से अशोक राठी, सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने मंत्री यादव का स्वागत करते हुए कहा कि जीएसटी में किए गए सुधारों से निश्चित रूप से कारोबार में सुगमता आएगी और बाजार में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ उपभोक्ताओं को भी सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मंत्री यादव ने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य सरल टैक्स, साफ व्यापार और मजबूत अर्थव्यवस्था है, और इसी दिशा में लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में बुजुर्गों को मिलने लगी राहत

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के दिन जिला अस्पताल परिसर में प्रदेश का पहला बुजुर्ग स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र का शुभारंभ हुआ था। इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में अभी तक 11 बुजुर्ग अलग- अलग परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए पहुंचे है। जानकारी के मुताबिक 2 बुजुर्गों ने पंचकर्म और 9 बुजुर्गों ने फिजियोथेरेपी कराएं है। स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा था कि उम्र बढ़ने पर घुटनों, एडियों और अन्य रोगों से पीड़ित होना सामान्य बात है। उन्होंने कहा, हम सबको इस अवस्था से गुजरना है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप यह बुजुर्ग देखभाल केंद्र शुरू किया गया है।

यह प्रदेश का पहला केन्द्र है, जहां बुजुर्गों को अस्पताल में लाइन लगने की जरूरत नहीं है, उन्हें एक ही छत के नीचे जांच, उपचार, दवाई और फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सुविधाएं मिलने लगा है। बुजुर्ग स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें ट्राइसाइकिल, बैलेंस बोर्ड, फुट मसाजर, पैरेलल बार, स्टेयर क्लाइंबिंग, ट्रेडमिल, मसाज चेयर, ट्रैक्शन और वैक्स बाथ जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यहां फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सेवाएं भी बुजुर्गों को मिलने लगी है।

शरद पूर्णिमा : अंजोर लोक कला मंच का आयोजन कल

रायपुर। सनातनी सेवा समिति महावीर नगर चौक द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर नगर चौक में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगतिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के प्रसिद - अंजोर लोक कला मंच -के गरिमा और स्वर्णा दिवाकर द्वारा भव्यता के साथ 6 अक्टूबर सोमवार रात्रि 9 बजे से प्रस्तुत किया जाएगा। अध्यक्ष प्रकाश साहू, उपाध्यक्ष त्रिलोकी साहू, संरक्षक प्रदीप कौशिक एवं सनातनी सेवा समिति के सभी सदस्य ने अधिक से अधिक संख्या उपस्थिति का आग्रह किया है।

बारिश की संभावना, कई जिलों में बिजली गिरने का भी अलर्ट

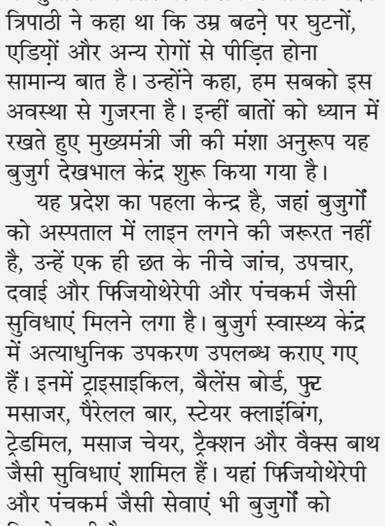

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे के दौरान सभी संभागों अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई. वहीं कुछ जगहों पर भारी बारिश की दर्ज की गई। इस दौरान सब्से ज्यादा तापमान दुर्ग में 31.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग ने रविवार को अनेकों स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. वहीं कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। इसके अलावा आज से बारिश की रफ्तार में कमी आने की संभावना है। बारसूर में सर्वाधिक 7 सेमी बारिश दर्ज की गई. इसके अलावा बिहारपुर में 6, कुसमी, छुरा, कशडोल, बोदारी और दौरा कोचली में 5-5 सेमी, पचपेड़ी और सोनहत में 4-4 सेमी, जबकि पेंड्रा, अहिवारा, भखारा, मस्तूरी, कुनकुरी, चांदो, भटगांव और बैकुण्ठपुर में 3-3 सेमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। अधिकांश अन्य स्थानों पर 3 सेमी से कम बारिश हुई । मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों में कई जगहों पर बारिश की संभावना जताई है. नारायणपुर, उत्तर बस्तर कांकेर, बालोद, राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, सुरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर में मेघगर्जन, बिजली गिरने, अचानक तेज हवा और वर्षा होने की आशंका है। यहां यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मंत्री नेताम ने आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए बन रहे संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह के दृश्य भी होगा जीवंत, राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री मोदी करेंगे संग्रहालय का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक संग्रहालय-सह स्मारक धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए नई पीढ़ियों को पुरखों की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अत: इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही

नहीं होनी चाहिए।

मंत्री श्री नेताम ने आगामी राज्योत्सव के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति को मौके पर निरीक्षण किया।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। संग्रहालय के निर्माण कार्यों में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क का बारीकी के साथ परीक्षण किया जा रहा है। संग्रहालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। मूर्तियों की स्थापना, लाईट, बिजली आदि का टेस्टिंग कार्य जारी है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस मौके पर संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य तथा प्रवेश द्वार में कुछ सुधार करने के संबंध में निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी विकास निगम के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर, आदिम जाति विकास विभाग संयुक्त सचिव बीएस राजपूत, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त श्रीमती गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, ठेकेदार, क्यूरेटर, इंजीनियर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संग्रहालय निर्माण में लगे क्यूरेटर प्रबल घोष ने बताया कि यह संग्रहालय-सह स्मारक आदिवासियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बारीकी के साथ अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया रहा है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय देखने वाले आगंतुकों को आदिवासी विद्रोह का वर्णन स्टैच्यू के पास ही लगे डिजिटल बोर्ड पर उपलब्ध रहेगा। आगंतुक संग्रहालय में आदिवासी विद्रोह को जीवंत महसूस कर सकेगा। वहीं आगंतुक प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत झांकी के सामने स्कैनर लगाए गए स्कैनर से मोबाईल द्वारा स्कैन कर संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है।

16 गैलेरियों में तैयार हो रहा है संग्रहालय

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे - हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन 14 गैलेरियों में किया जा रहा है। वहीं जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह पर एक-एक गैलेरियों का भी निर्माण किया जा रहा है। निश्चित ही यह संग्रहालय सभी वर्ग के लोगों के लिए एक आकर्षण का केन्द्र एवं प्रेरणास्रोत के रूप में बनकर उभरेगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली निगम जोन कमिश्नरों और सीएमओ की समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नगर निगम के सभी जोन कमिश्नरों और नगर परिषद/नगर पालिका सीएमओ की विशेष समीक्षा बैठक ली। बैठक का उद्देश्य जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और कार्यों को समयबद्ध तथा गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करना था।

बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें अधोसंरचना विकास, पंद्रहवीं वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्य,

प्रधानमंत्री आवास योजना (1.0 एवं 2.0), अमृत मिशन, नालंदा परिसर की प्रगति, स्वच्छता रैंकिंग, तथा अन्य कई विकासात्मक और जनकल्याणकारी योजनाएं शामिल थीं। डॉ. सिंह ने बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं और कार्यों की प्रगति समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण, और पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के हर

नागरिक तक पहुंचाना चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) 1.0 एवं 2.0 के तहत नए निर्माण कार्य, घरों की संख्या और लाभार्थियों तक वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे और सभी लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराया जाए। अमृत मिशन और नालंदा परिसर के विकास कार्यों पर भी कलेक्टर ने विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा पर विशेष निगरानी रखी जाए।

बैठक में स्वच्छता रैंकिंग पर भी चर्चा की गई। डॉ. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक जोन में सफाई, कचरा प्रबंधन और गंदगी निवारण के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही अच्छे प्रशासन और नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार है। इसके अलावा, बैठक में पंद्रहवीं वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सभी निधियों का उपयोग योजना के उद्देश्य के अनुसार पारदर्शी ढंग से किया जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं की निगरानी, फील्ड निरीक्षण और नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को अपने क्षेत्र के प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता, समयसीमा और लाभार्थियों तक पहुँच पर विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर रायपुर निगम आयुक्त विश्वदीप सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रत्येक जोन और नगर परिषद के अधिकारियों ने अपने क्षेत्र में चल रहे कार्यों की स्थिति प्रस्तुत की और कलेक्टर ने आवश्यक सुझाव व सुधारात्मक कदम भी दिए।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने खरीदे खादी के कपड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आग्रह के दृष्टिगत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित महाराष्ट्र खादी भंडार से खादी से बने कपड़ों की खरीददारी की।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 'वोकल फ़ॉर लोकल' और 'खादी फॉर नेशन' के माध्यम से स्वदेशी वस्त्रों एवं उत्पादों के समर्थन को बढ़ावा मिल रहा है। स्वदेशी के इस अभियान से हमारे कारीगर, हस्तशिल्प और एमएसएमई सेक्टर को और मजबूती मिल रही है। इस मौके पर श्री जम्वाल ने अपील की कि त्योहारों के उपलक्ष्य में खादी पहनें एवं स्थानीय उत्पादों का इस्तेमाल करें। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने, उज्ज्वल दीपक और उमेश घोरमोड़े उपस्थित थे।

रायपुर जेल विभाग में छत्तीसगढ़ स्थापना रजत महोत्सव का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं विभाग द्वारा 3 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का शुभारंभ आज केन्द्रीय जेल रायपुर में रक्तदान शिविर के साथ हुआ।

शिविर का शुभारंभ करते हुए डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति में जेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर जेल विभाग के महानिदेशक श्री गुप्ता, केंद्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री सहित कुल 28 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। इनमें 22 जेलकर्मी तथा 4 छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

रजत महोत्सव के अंतर्गत राज्य की सभी पाँच केंद्रीय जेलों—रायपुर, दुर्ग, जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में जेल में बंदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। यहाँ आम नागरिक किफायती दरों पर उत्पाद खरीद सकेंगे। इसके अतिरिक्त रजत महोत्सव सप्ताह के दौरान प्रदेश की सभी 33 जेलों में रक्तदान शिविरों के साथ-साथ बंदियों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

डिप्रेशन से मुक्त होना है तो करें ईर्ष्या का त्याग : मनीष सागरजी महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि ईर्ष्या आत्मा की शत्रु है। ईर्ष्या शरीर को गलाकर आत्मा के भीतर विकार पैदा करती है। डिप्रेशन का मुख्य कारण ईर्ष्या है। ईर्ष्या ही आत्मा को कमजोर कर देती है। ईर्ष्या से मनोबल कमजोर होता है। मान कषाय अधिक होने के ईर्ष्या की बीमारी आती है। डिप्रेशन से मुक्त होने ईर्ष्या का त्याग करना होगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि दूसरों के दोष देखना और दूसरों पर आरोप लगाना बड़ा आसान है। इससे अपना विकास और सुधार नहीं हो सकता। अपना विकास तभी होगा जब हम आत्मकेंद्रित रहेंगे। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद चौथी आवश्यकता ज्ञान है। जैन संस्कृति कहती है रोज स्वाध्याय करना चाहिए। वास्तव में अध्ययन करके स्वयं को लाभान्वित करना है। पहले खुद में दृष्टि होना चाहिए। खुद की दोष निकालने की भावना होनी चाहिए। गुणों को ग्रहण कर ही स्वाध्याय की पूर्णता होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि स्वाध्याय और सत्संग के माध्यम से हम सत्य को जानने और जीने का प्रयत्न करते हैं। सच्चाई को जानना और स्वीकार करना ही हमारा मूल लक्ष्य है। नवपदों की आराधना का मुख्य लक्ष्य सिद्ध पद की प्राप्ति करना है। बस हमारा विजन सही रहना चाहिए। हमारा दर्शन,चारित्र्य, ज्ञान और तप ये चार गुण विपरीत होगा तो हम आत्म कल्याण नहीं कर पाएंगे। इसी कारण से आत्मा का भ्रमण संसार में चलते रहता है। इन गुणों को ठीक करना है। तभी हम आत्म कल्याण की ओर आगे बढ़ पाएंगे।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि यदि व्यक्ति के पुरुषार्थ की दिशा सही है तो फल भी सही मिलता है। व्यक्ति कम पुरुषार्थ में भी आगे बढ़ सकता है। बहुत अधिक पुरुषार्थ भी फल नहीं देता है। पुरुषार्थ की दिशा ठीक होगी तो कम मेहनत से भी अधिक फल मिल जाएगा। यही सम्यक दर्शन है। हमें हमारी दिशा को बदलना है। यदि गलत दिशा में जा रहे हैं तो मंजिल तक पहुंच नहीं पाएंगे। सही दृष्टिकोण और सही विजन ही सम्यक दर्शन है।

पांच दिवसीय सांसद खेल महोत्सव 15 से 19 तक

रायपुर। पहली बार पांच दिवसीय रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15 से 19 तक शहर के शिक्षण संस्थानों, वाचनालयों, स्कूलों, कॉलेजों, उद्यानों, सार्वजनिक स्थानों में किया जा रहा है। नागरिकों इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके इसके लिये नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड वाले पोस्टर चस्पा किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में इसका आयोजन किया जा रहा है।

ज्यादा तनाव लेना सेहत पर पड़ेगा भारी

तनाव हमेशा बुरा नहीं होता. जब तनाव छोटे स्तर पर होता है तो यह दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने में आपकी मदद करता है, लेकिन यह काफी ज्यादा हो जाए तो आपकी सेहत के साथ आपका जीवनस्तर भी प्रभावित होता है. ज्यादा तनाव से ऑफिस या घर जीवन के हर क्षेत्र में आपका काम प्रभावित होगा और इससे आपके संबंध भी प्रभावित होंगे.

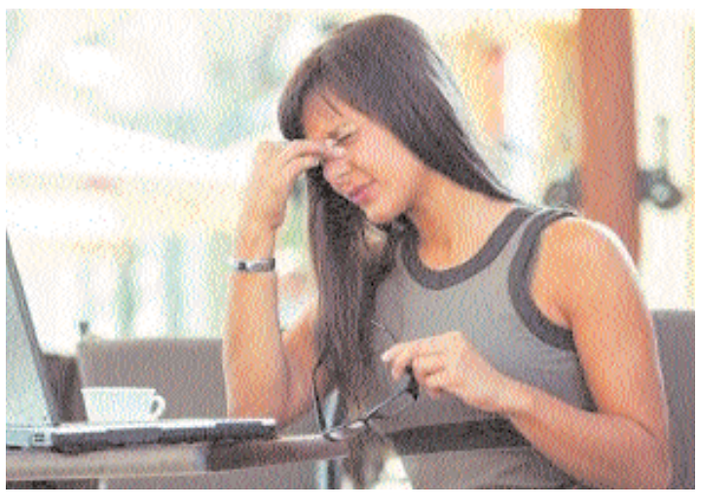

बार-बार सिर दर्द, बार-बार गुस्सा होने, ठीक से नींद न आने का संबंध तनाव से हो सकता है. ज्यादा तनाव के चलते व्यक्ति सहन करने की क्षमता खो देता है. इसके चलते उसका कामकाजी प्रदर्शन निचले स्तर पर चला जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि तनाव की लिमिट अलग-अलग व्यक्तियों, परिस्थितियों और व्यक्तिगत क्षमता (मानसिक और शारीरिक) के हिसाब से अलग-अलग होती है. आपका तनाव जब अपनी लिमिट को पार कर जाता है, तो यह आपके रोजमर्रा के काम को प्रभावित करने लगता है.

कैसे पहुंचाता है नुकसान

तनाव आपके सोचने-समझने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है. इसके सामान्य लक्षणों में बार-बार सिर दर्द होना, वजन घटना या बढ़ना, ठीक से नींद न आना, खाना-पीना ठीक से न होना, बार-बार बीमार पड़ना, ध्यान केंद्रित न कर पाना, मूड स्विंग होना और हाइपरएक्टिव और ओवरसेंसिटिव होना हैं. कुछ मामलों में तो डिप्रेशन भी हो सकता है. उन्होंने कहा, 'तनाव अक्सर आत्महत्या के विचारों के साथ आता है, खुद को या उसके परिजन को नुकसान पहुंचाने के विचारों को भी लाता है. इससे कोई व्यक्ति अपना आत्मसम्मान भी खो देता है. इससे बचने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेनी चाहिए. यदि यह अपनी सीमा रेखा को पार कर जाता है, जिसमें कोई व्यक्ति इसे सहन नहीं कर सकता और दवाइयां काम नहीं करतीं, ऐसे में थेरेपिस्ट से कंसल्ट करना चाहिए.'

लंबे समय तक तनाव में रहने से इम्युनिटी और हार्मोंस पर असर पड़ता है. नतीजतन आपको ज्यादा बेचैनी होती है और आपका ध्यान लगना कम हो जाता है. जब आपको तनाव होता है तब आप दफ्तर में मीटिंग्स, फोन पर बातचीत करने से बचते हैं. कई बार लोग जीवनसाथी से भी बात करने से बचने लगते हैं. उस समय वे खुद को असहाय पाते हैं.'

स्वास्थ्य पर असर

लंबे समय तक तनाव के रहने से दिल और ब्लड वेसल्स से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं. तनाव लंबे समय से परेशान कर रहा हो तो मस्क्युलोस्केलेटल सिस्टम, रेस्पिरेटरी सिस्टम, ओएसोफैगस बाउल मूवमेंट, नर्वस सिस्टम और रिप्राडक्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है. इसके ज्यादा समय तक बने रहने से यह आपकी बौडी में स्ट्रेस हार्मोंस को बढ़ा देता है. कौर्टिकोस्टेरायड जैसे स्ट्रेस हार्मोंस ब्रेन के न्यूट्रान्स में केमिकल्स कम कर देते हैं, जिसके चलते याददाश्त कमजोर हो जाती है और आसपास की चीजों में व्यक्ति की दिलचस्पी कम होने लगती है. अगर आप घर या दफ्तर में कुछ खास स्थितियों से बचने की कोशिश कर रहे हों तो आप स्ट्रेस से परेशान हो सकते हैं

तनाव से निपटने का तरीका

■पिछले अनुभवों से मौजूदा कामकाज पर प्रभाव न पड़ने दें.
■असहायता, निराशा, विफलता को भूलकर अपनी ताकत पर फोकस करें.
■नियमित एक्सरसाइज, प्राणायाम और अच्छे खान-पान पर जोर दें.
■अपना बर्ताव बदलें, अवांछित चीजों के लिए ना कहना सीखें.
■कामकाज में प्राथमिकताएं तय कर उन्हें निपटाने का प्रयास करें.
■दोस्तों, परिवार के साथ अपनी बात साझा करें.

ताकतवर पुरुष की ओर अधिक आकर्षित होती हैं महिलाएं

लोग कहते हैं कि अब जमाना बदल रहा है और इसलिए लोगों की चाहतें भी बदल रही हैं. अब पुरुष और स्त्री अपने परंपरागत टेस्ट से बाहर आकर एक दूसरे में अलग-अलग गुण तलाश रहे हैं. लेकिन सर्वेक्षण कुछ और बता रहे हैं. एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक आज भी महिलाएं एक सामान्य पुरुष की अपेक्षा ताकतवर पुरुष की ओर अधिक आकर्षित होती हैं. महिलाएं ताकतवर पुरुषों की तरफअधिक आकर्षित होती हैं जबकि विनम्रता को एक कमजोरी के रूप में देखती हैं.

एक निजी वेबसाइट के मुताबिक सामान्य पुरुष महिलाओं को अपनी तरफआकर्षित नहीं कर पाते हैं. मनोवैज्ञानिक कोरीने मोस-रेक्यूजिन ने ऐसी महिलाओं और पुरुषों पर अध्ययन किया जिन्होंने साक्षात्कार के समय संकोची स्वभाव प्रदर्शित किया था. अध्ययन में सामने आया कि सामान्य आदमी को कम पसंद किया जाता है.

वर्कआउट करने से पहले इन चीजों को खाने से बचें

वर्कआउट से पहले हम सभी महिलाएं अक्सर स्वस्थ आहार लेने की कोशिश करती हैं जिससे पर्याप्त उर्जा मिलने के साथ ही जिम में कैलोरी बर्न करने में मदद भी मिले. लेकिन इससे पहले आप अपना प्री-वर्कआउट मेन्यू निश्चित करें हम आपको बता देते हैं कि वर्कआउट करने से पहले आपको कुछ चीजों को खाने से बचना चाहिए. वर्कआउट के दौरान ये खाद्य पदार्थ ना केवल आपकी उर्जा को प्रभावित कर सकते हैं बल्कि अन्य कई समस्याओं का कारण बन सकते हैं.

डेयरी उत्पाद

डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही या लस्सी, स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरे होते हैं. ये आपको कैल्शियम की आपूर्ति में मदद करते हैं लेकिन वर्कआउट से पहले इनका सेवन आपको सुस्त बना सकता है. इसलिये जिम जाने से दो घंटे पहले तक डेयरी उत्पादों का सेवन ना करें.

सलाद

सलाद आहार का स्वस्थ विकल्प है लेकिन इसमें मौजूद सब्जियां और फल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं. इसके सेवन से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है जिससे गैस या ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है.

सोडा ड्रिंक्स

सोडा ड्रिंक्स या ऐसे अन्य आहार लेने से गैस की समस्या हो सकती है जिससे वर्कआउट के दौरान आप पेट में दर्द से परेशान होंगे. इसलिये जिम जाने से पहले इसके सेवन से बचें.

तला-भुना खाना

तला-भुने खाद्य पदार्थों में अतिरिक्त फैट होता है जिसे पचाना मुश्किल होता है और आपके पाचन तंत्र को अधिक उर्जा की जरुरत होती है. इससे वर्कआउट के दौरान आप को उर्जा की कमी हो सकती है.

एल्कोहल

वर्कआउट करने से पहले शरीर का हाइड्रेटेड रहना बेहद जरुरी है. इसलिये पानी की पर्याप्त मात्रा का सेवन करें और एल्होकल के सेवन से बचें. यह शरीर को डिहाइड्रेशन की ओर ले जाता है. साथ ही एल्कोहल के सेवन के बाद एक्सरसाइज करने से चोट लग सकती है.

ऊप्स मोमेंट्स : फैशन की दौड़ या पब्लिसिटी का फंडा

बॉलीवुड में एक्ट्रेस अपने कपड़ो और फैशन को लेकर काफी सर्तक रहती हैं और हर इवेंट या अवार्ड शो में बेहतर दिखने की चाहत उनमें होती है. लेकिन बेहतर दिखने की इस चाहत में उनके खूबसूरत लिबास कई बार उन्हें ऐसा धोखा दे देते हैं कि वे ऊप्स मोमेंट्स का शिकार हो जाती हैं. बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की खूबसूरत एक्ट्रेसेस अधिकतर वॉर्डरोब मालफंक्शन का शिकार होती रहती हैं. लेकिन कई बार तो वे खुद ही अपनी खूबसूरती को अपने ट्रांसपेरेंट कपड़ों के जरिये दिखाकर खुद को खबरों की सुर्खियों में शामिल करती हैं.

हाल ही में कैटरीना कैफ ने भी कुछ ऐसा किया कि मीडिया ने उन्हें खबरों की सुर्खियों में शामिल कर दिया. हुआ कुछ यूं कि कैटरीना कैफहाल ही में एयरपोर्ट गयीं और वहां पर उनके ब्लैक ट्रांसपेरेंट टॉप के नीचे से उनकी शाइन करती लिंगरी नज़र आई. इसी तरह आपकी चहेती अभिनेत्री आलिया भट्ट यानी सेक्सी राधा भी एक इवेंट में ऊप्स मूमेंट का शिकार हो चुकी हैं. उस इवेंट में हिस्सा लेने पहुंची सेक्सी राधा ने वाइट कलर की तंग ड्रेस पहन रखी थी जिसकी वजह वे काफी असहज नजर आ रही थीं और इसी असहजता में आलिया के वे कपड़े दिख गये, जो नहीं दिखने चाहिए. लेकिन जब तक वे अपने आप को संभाल पातीं तब तक काफी देर हो चुकी थीं.

पिछले दिनों भारत की यात्रा पर आए ब्रिटेन की शाही दंपति प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन ने जब इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि देने गए, तो श्रद्धांजलि देने के दौरान तेज हवा के झोंकों ने केट की ड्रेस हवा में उछाल दी. शर्मिंदगी से बचने के लिए केट ने फौरन स्कर्ट नीचे खींचकर संभाली लेकिन नाकाम रहीं. केट इतनी परेशान हो गईं, कि पूरे वक्त वो अपनी ड्रेस को ही संभालती रह गईं. बस फिर क्या था वहां मौजूद मीडिया के कैमरों ने इसे कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर ये तस्वीर वायरल हो गई.इस मोमेंट को मर्लिन मुनरो मूमेंट का नाम दे दिया गया.

फ्रांस के कांन्स में होने वाले फिल्म फेस्टिवल में दुनिया भर के फिल्मी सितारे शिरकत करते है,और उनमे ग्लेमरस दिखने की होड़ रहती है. लेकिन ग्लेमरस दिखने की यह होड़ उन्हें कई बार ऐसी स्थिति में पहुंचा देती है कि न केवल उनकी जग हंसाई होती है, बल्कि उनकी इज्जत भी पलित हो जाती है. कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान माईवेन ली बेस्को भी वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हो चुकी हैं. जर्मनी में मैन इन ब्लैक-3 के प्रीमियर के मौके पर मिकेला शैफर भी वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हुई.

हाल ही में हिंदी सिनेमा की मांझी हुई अदाकारा शबाना आजमी ने फ्रांस के कांस फिल्म फेस्टिवल को फैशन इवेंट की तरह इस्तेमाल करने पर नाराजगी जताई. शबाना आज़मी ने ट्विटर को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का जरिया बनाया और ट्वीट किया कि कांस का दूसरा दिन लग रहा था जैसे कपडों की परेड हो. यह एक गंभीर फिल्म समारोह है, न कि फैशन इवेंट. फिल्म और फिल्ममेकर्स पर ध्यान देने के बारे में क्या ख्याल है?

ध्यान से देखा जाए तो लगता है महिलाओं को आजादी के नाम पे कपड़ों से आज़ाद करने की रणनीति हकीकत में पुरुषवादी सोच का नतीजा है, जो महिलाओं को हर दिन पुरुषों के ऐशओआराम की चीज़ बनाते हुए उन्हें गुलामी की ओर ले जा रही है।

फ्रूट फेस पैक से पाएं नैचुरल ग्लो

ब्यूटी पार्लर का कैमिकल्स वाला ट्रीटमैंट केवल बाहरी निखार दे सकता है और कभीकभी यह त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है, जबकि नैचुरल उपचार त्वचा को अंदर से निखार कर उसे मुलायम और जवां बनाता है. खिलीखिली और नैचुरल ग्लो वाली त्वचा के लिए घर पर फलों से बने ये फेस पैक आजमाएं.

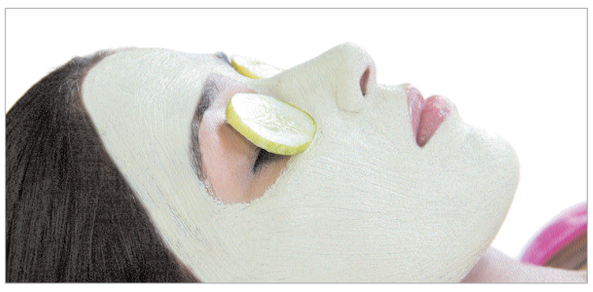

केले से बना पैकः केला ऐंटीऔक्सीडैंट से भरपूर फल है. इस से बना पैक त्वचा की खुश्की दूर कर उसे मुलायम बनाता है. इस का पैक बनाने के लिए 1 पके केले को मसल लें. फिर उस में शहद और औलिव औयल मिला कर चेहरे पर लगाएं. 10 मिनट लगा रहने के बाद चेहरे को धो लें.

पपीते से बना पैकः पपीता ऐंटीऔक्सीडैंट, फ्लावोनौइड्स और मिनरल्स से भरपूर फल है. यह नैचुरल ऐंटीएजिंग है. इस का पैक बनाने के लिए इस का गूदा निकाल कर उस में शहद, नीबू का रस और मुलतानी मिट्टी मिला कर चेहरे पर लगाएं. यह पैक त्वचा को नमी तो देगा ही, साथ ही डैड स्किन हटा कर त्वचा की भीतरी परत को भी स्मूद बनाएगा.

स्ट्राबैरी से बना पैकः इस से बना पैक त्वचा के सूर्य के संपर्क में आने पर हुई परेशानी को दूर करेगा. इस का पैक बनाने के लिए इस का रस निकाल कर उस में योगर्ट मिला कर चेहरे पर लगाएं. यह पैक त्वचा को प्राकृतिक निखार देता है.

तरबूज से बना पैकः तरबूज पानी से भरपूर फल होने के कारण त्वचा को अंदरूनी नमी दे उस की खुश्की दूर करता है. इस का पैक बनाने के लिए इस का रस निकाल कर इस में योगर्ट और मिल्क पाउडर मिला कर चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट लगाए रखने के बाद चेहरे को धो लें.

संतरे से बना पैकः संतरा विटामिन सी से भरपूर होने के कारण त्वचा को हाइड्रेट करता है, साथ ही त्वचा को गहराई तक साफ भी करता है।

स्वास्थ्य के लिए कितना गुणकारी है शहद?

शहद एक मीठा और स्वादिष्ठ खा-पदार्थ है, जो रसोई के अलावा औषधि के रूप में भी सालों से प्रयोग किया जाता है. इसे खाने और लगाने से त्वचा में निखार आ जाता है, साथ ही शरीर पर हुए किसी जख्म पर लगाने से यह प्राकृतिक रूप से घाव भर देता है. विज्ञान भी इस की गुणवत्ता को मानता है.

आज के दौर में शहद वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है और पिछले कई सालों से शहद में वि-मान ऐंटीमाइक्रोबियल, ऐंटीऔक्सीडैंट और ऐंटीइन्फ्लैमेटरी आदि गुणों पर अनुसंधान चल रहा है ताकि कई प्रकार के कैंसर और दिल की बीमारियों को कुछ हद तक काबू में किया जा सके.

ऐपीस इंडिया के हैल्थ ऐक्सपर्ट, अमित आनंद कहते हैं कि शहद ऊर्जा, खूबसूरती, और पोषण का अच्छा स्रोत है. यह अल्सर और बैक्टीरियल बीमारियों के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है. इतना ही नहीं यह त्वचा में चमक बनाए रखने के लिए भी खास है. इसलिए अधिकतर ब्यूटी प्रोडक्ट्स मेकर इस का प्रयोग अपने उत्पाद में करते हैं.

इस के अलावा भी शहद के कई फायदे हैं. मसलन

■शहद की शैल्फ लाइफ बहुत लंबी होती है, क्योंकि मधुमक्खियां इसे इकट्ठा करते समय इस में एक खास ऐंजाइम मिला देती हैं. यह आंखों की दृष्टि, बांझपन, वजन कम करने, यूरिन संबंधी बीमारियों, अस्थमा, खांसी आदि के लिए बेहद लाभप्रद है.
■शहद में मौजूद चीनी आम चीनी की तरह नहीं होती, यह फ्रुक्टोज और ग्लूकोज का मिश्रण होती है और खून में शुगर के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती है.
■काफी समय पहले से खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए ऐथलीट्स शहद का सेवन करते रहे हैं, क्योंकि यह शरीर में ग्लाइकोजन के स्तर को सामान्य बनाए रखने में सहायक होता है.
■शहद त्वचा के लिए क्लींजर का काम करता है. इसे नियमित खाने और लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार बनी रहती है.

डिलीवरी के बाद कुपोषण से बचें मां और बच्चा

बच्चे को जन्म देने के बाद अकसर महिलाओं को कुपोषण की समस्या से गुजरना पड़ता है. बच्चे के जन्म के तुरंत बाद कुपोषण का बुरा असर मां और बच्चे दोनों पर पड़ता है. गर्भावस्था के दौरान और उस के बाद होने वाला कुपोषण बच्चे के लिए घातक हो सकता है.

गर्भावस्था के बाद कुपोषण के कारण

■स्तनपान इस का सब से पहला और मुख्य कारण है. बच्चे को दूध पिलाने वाली मां को रोजाना कम से कम 1000 कैलोरी ऊर्जा की जरूरत होती है. ज्यादातर महिलाएं या तो सही डाइट चार्ट के बारे में नहीं जानती हैं या फिर इस की अनदेखी करती हैं, जिस के कारण वे डिहाइड्रेशन, विटामिन या मिनरल्स की कमी और कभीकभी खून की कमी की भी शिकार हो जाती हैं. इसे पोस्टनेटल मालन्यूट्रिशन (बच्चे के जन्म के बाद होने वाला कुपोषण) कहा जा सकता है.
■स्तनपान कराने से मां को ज्यादा भूख लगती है और अकसर वह ऐसे खा-पदार्थ खाती है, जो पोषक एवं सेहतमंद नहीं होते. स्वाद में अच्छे लगने वाले खा-पदार्थों में विटामिंस और मिनरल्स की कमी होती है, जिस कारण मां कुपोषण से ग्रस्त हो जाती है.
■बच्चे के जन्म से पहले और बाद में प्रीनेटल विटामिन का सेवन करना बहुत जरूरी है. प्रीनेटल विटामिन जैसे फौलिक ऐसिड पानी में घुल कर शरीर से बाहर निकलता रहता है, जिस के चलते अकसर बच्चे के जन्म के बाद महिलाएं फौलिक ऐसिड की कमी के कारण ऐनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं.
■बच्चे के जन्म के बाद कुपोषण के कारण अकसर महिलाएं पोस्टपार्टम डिप्रैशन की भी शिकार हो जाती हैं. बच्चे को जन्म देने के बाद महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं, जिस के कारण डिप्रैशन की समस्या हो सकती है. इस के कारण कई बार महिलाएं ठीक से खाना खाना बंद कर देती हैं और कुपोषण की शिकार हो जाती हैं.
■गर्भावस्था के दौरान लगभग सभी महिलाओं का वजन बढ़ जाता है. कई बार महिलाएं वजन में कमी लाने के लिए ठीक से पोषक भोजन नहीं करतीं, जिस वजह से कुपोषण की शिकार हो जाती हैं. अत: गर्भावस्था के बाद वजन में धीरेधीरे कमी लाने की कोशिश करें ताकि अचानक कुपोषण की शिकार न हों.
■बच्चे के जन्म के बाद अकसर मां ठीक से सो नहीं पाती. अत: नींद पूरी न होने के कारण शरीर में पोषक पदार्थ अवशोषित नहीं होते, जिस के कारण वह कुपोषण का शिकार हो जाती है.

गर्भस्थ शिशु और नवजात के लिए जोखिम

गर्भवती महिला में कुपोषण का बुरा असर उस के पेट में पल रहे बच्चे पर पड़ता है. बच्चे का विकास ठीक से नहीं हो पाता और जन्म के समय उस का वजन सामान्य से कम रह जाता है. गर्भावस्था के दौरान मां में कुपोषण आईयूजीआर और जन्म के समय कम वजन का बुरा असर बच्चे पर पड़ता है, जिस के कई परिणाम हो सकते हैं. जन्मजात दोष, ब्रेन डैमेज यानी दिमाग को नुकसान, समय से पहले जन्म, कुछ अंगों का विकास न होना, कुछ बच्चे पैदा होते रोते नहीं. इन में से 50 फीसदी मामलों का कारण आईयूजीआर होता है.

बच्चे के आने वाले जीवन पर असर

अगर गर्भावस्था के दौरान मां में पोषण की कमी हो तो बच्चे को अपने जीवन में इन बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है: औस्टियोपोरोसिस, क्रोनिक किडनी फेल्योर, दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, लंग्स डिजीज, खून में लिपिड्स की मात्रा असामान्य होना, ग्लूकोस इन्टौलरैंस (एक प्रीडायबिटिक कंडीशन, जिस में शरीर में ग्लूकोस का मैटाबोलिज्म असामान्य हो जाता है).

मां के लिए समस्याएं

अगर गर्भावस्था के दौरान मां में पोषण की कमी हो तो यह जानलेवा भी हो सकती है. इस के अलावा बच्चे का समय से पहले पैदा होना, गर्भपात जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं. महिलाओं में और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जैसे संक्रमण, एनीमिया यानी खूनी की कमी, उत्पादकता में कमी, सुस्ती और कमजोरी, औस्टियोपोटोसिस.

कुपोषण को कैसे रोका जा सकता है

कुपोषण को संतुलित आहार के सेवन से रोका जा सकता है. महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त मात्रा में फल, सब्जियां, पानी, फाइबर, प्रोटीन, वसा एवं कार्बोहाइड्रेट का सेवन करना चाहिए.

पोषण संबंधी जरूरतें

आयरन : शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने के लिए आयरन बहुत जरूरी है. हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है और पूरे शरीर में औक्सीजन पहुंचाता है. अगर शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाए तो शरीर के सभी अंगों तक औक्सीजन पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाती. अगर आप आयरन का सेवन ठीक से न करें तो धीरेधीरे हीमोग्लोबिन की कमी होने लगती है और आप एनीमिक हो जाती हैं. आप अपने शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस करती हैं. आप के शरीर में बीमारियों से लड़ने की ताकत नहीं रहती.

नारी ही सृष्टि का आधार, समाज की धुरी और प्रेरणा है : राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका सरोना में आयोजित विराट क्षत्रिय दशहरा मिलन समारोह एवं वीरांगना राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज में नारी शक्ति की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि मातृशक्ति परिवार को एक सूत्र में बांधने और समाज की नैतिक दिशा तय करने का कार्य करती है। राज्यपाल ने कहा कि नारी जीवन का वह आधार है, जिसके बिना मानव अस्तित्व की कल्पना असंभव है। उन्होंने नारी की तुलना जल से करते हुए कहा कि जिस प्रकार पानी के बिना जीवन असंभव है, उसी प्रकार नारी के बिना भी यह सृष्टि अधूरी है।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने जीवन को आनंदपूर्वक जीने के सूत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि जीवन अनुपम है, इसे हर क्षण आनंद से जीना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि पैसा केवल जीवन की आवश्यक जरूरतों भोजन, शिक्षा और मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है, लेकिन वास्तविक सुख शांति और संतोष में ही निहित है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए ईमानदार प्रयास आवश्यक है, परंतु यदि प्राप्त न हो तो उसका अफसोस नहीं करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आज देश और समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिन पर जागरूक होकर विचार और समाधान करना आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए मां के नाम एक पेड़ अभियान में सभी को सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक आज पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। इसका उपयोग कम से कम करने और आने वाली पीढ़ियों को इसके दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि जो व्यक्ति समय के पाबंद और अनुशासित होते हैं, वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में समाज सेवा की अद्भुत प्रवृत्ति है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के महिला स्व-सहायता समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षत्रीय समाज की महिलाओं को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज सदैव राष्ट्र रक्षा और जनसेवा के लिए पहचाना गया है। आज समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।आप सब मिलकर समाज को संगठित करें, व्याप्त कुरीतियों को दूर करें और देश के विकास में भागीदार बनें। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस अधिवेशन से जो संदेश जाएगा, वह समाज में एकता, संगठन और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। कार्यक्रम में वीरांगना की मुख्य संरक्षिका वीणा रमन सिंह ने अपना प्रेरणादायी संबोधन दिया। वीरांगना की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलू सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अमित कुमार सिंह , तथा राजपूत निस्वार्थ सेवा संघ की अध्यक्ष इला कलचुरी ने भी अपने विचार रखे।

राज्यपाल रमेन डेका ने समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली वीरांगनाओं को सम्मानित किया। समारोह में क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी, सदस्यगण और बड़ी संख्या में महिलाएं एवं नागरिक उपस्थित थे।

बूँदकुंवर का सपना हुआ साकार, अयोध्या में रामलला का दर्शन कर खुद को मानती है सौभाग्यशाली

महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही बूंदकुंवर ने उठाया मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का भी लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उनहत्तर वर्षीय श्रीमती बूँदकुंवर का जीवन संघर्षों और उम्मीदों से भरा रहा है। पति के निधन के बाद उन्होंने अपने जीवन की डोर मजबूती से संभाली और अपने बेटे तथा बहू के साथ सादगीपूर्ण जीवन जीती रहीं। बूँदकुंवर हमेशा से यह इच्छा रखती थीं कि वे जीवन में एक बार भगवान श्रीराम के जन्मस्थली अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करें। लेकिन सीमित साधन और बुजुर्ग होने के कारण यह सपना अधूरा रह गया था। जब छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की जानकारी उनके गांव तक पहुँची, तो उनके भीतर एक नई आशा जगी। श्रीमती बूंदकुंवर ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए आवेदन किया और योजना के तहत उनका चयन हुआ। उनके साथ सहयोगी पल्लवी और गीता भी यात्रा में थीं, जिन्होंने उनका पूरा सहयोग किया। सरकार की इस पहल के माध्यम से बूँदकुंवर ने गांव से बिलासपुर तक बस की, फिर बिलासपुर से अयोध्या तक रेल यात्रा की और अयोध्या धाम पहुंचीं। अयोध्या में भगवान श्री रामलला के दर्शन कर लौटने के बाद वह गांव में अपनी यात्रा और सरकार की इस योजना की तारीफें करते नहीं थकती।

जटगा गांव की बूंदकुंवर ने बताया कि जब उन्होंने रामलला के दर्शन किए, तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपने जीवन में भगवान श्री रामलला के दर्शन कर पाऊंगी। सरकार ने जो अवसर दिया, उसके लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभारी हूं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपना खुद का घर भी बनवाया है। अब उनके पास सर पर पक्की छत है और मन में संतोष है कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

उन्होंने बताया कि अभी बेटा-बहू के साथ गांव में रहती है। उन्हें महतारी वंदन योजना से भी हर माह एक हजार रूपए मिलते हैं। इस राशि का उपयोग वह अपने आवश्यक घरेलू कार्यों में खर्च करती है। गांव में अब श्रीमती बूँदकुंवर की कहानी गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। वह अपनी यादगार यात्रा के रोचक किस्सों को अक्सर किसी न किसी को बताती है।

बड़ादमाली प्राथमिक शाला बड़ादमाली में बच्चों की पढ़ाई में आई नई ऊर्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राथमिक शाला बड़ादमाली में युक्तियुक्तकरण के तहत अर्चना श्रीवास्तव को पदस्थ किया गया है। उनके आने से विद्यालय में अब कुल तीन शिक्षक जिसमें एक प्रधानपाठक और दो सहायक शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में लगभग 80 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है। कभी बड़ादमाली प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बच्चों की संख्या के अनुपात शिक्षक को कई कक्षाओं का भार संभालना पड़ता था।

परिणामस्वरूप बच्चों की शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही थीं। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया ने इस समस्या को दूर किया है।

विद्यालय में नए शिक्षक की पदस्थापना से बच्चों और उनके अभिभावकों में उत्साह है। अब प्रत्येक कक्षा में समय पर पढ़ाई हो रही है और बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान भी मिल पा रहा है। अभिभावकों ने कहा कि तीन शिक्षक होने से बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़ेगी और वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रधानपाठक और अन्य शिक्षक भी बताते हैं कि अब कार्यभार संतुलित हो हुआ है, कक्षाओं का विभाजन से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इससे बच्चों को विषयवार शिक्षा मिला रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शिक्षक युक्तियुक्तकरण से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और प्रत्येक बच्चे तक समान रूप से शिक्षा का अधिकार मिला है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार बोर्ड के सदस्य प्रकाश मोदी का हुआ जशपुर आगमन

जिले के अल्पसंख्यक वर्गों के प्रतिनिधियों से विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिला जशपुर में विगत दिवस राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार बोर्ड के सदस्य प्रकाश मोदी का आगमन हुआ। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य जिले में अल्पसंख्यक समुदायों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक सहभागिता का मूल्यांकन करना तथा जनसमस्याओं को समझते हुए उनके निराकरण के लिए पहल करना था।

जशपुर आगमन के उपरांत श्री मोदी ने कलेक्टर रोहित व्यास से सौजन्य मुलाकात की तथा जिला पंचायत के सभाकक्ष में अल्पसंख्यक समुदाय जैसे जैन, ईसाई, सिख, मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जिले की सामाजिक स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं की स्थिति जैसे विभिन्न मुद्दों तथा शासन की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान श्री मोदी ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज की प्रगति किसी भी जिले की समग्र प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी योजनाओं का लाभ निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हुए आयोग हर संभव प्रयास करेगा कि समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। श्री मोदी द्वारा सभी शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया की आयोग स्तर पर इन मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तथा जिले स्तर की समस्याओं के संबंध में उपस्थित समाज के लोगों को अपर कलेक्टर के द्वारा समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए आश्वस्त किया गया ।

जय गुप्त ने लगाया 5 किलोवाट का सोलर रूफटॉप, सरकार की सब्सिडी का मिला लाभ

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिजली उपभोक्ता। बनेंगे 'उर्जा दाता'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पारंपरिक बिजली उपभोक्ता अब खुद बिजली दाता बन रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में यह बड़ा बदलाव संभव किया है। अम्बिकापुर देवीगंज रोड वार्ड क्रमांक 15 के निवासी जय गुप्त ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया है। मात्र एक माह में उनके सोलर प्लांट ने 354 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन किया है। जय गुप्त बताते हैं कि अब न सिर्फ बिजली बिल से राहत मिलेगी बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी होगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 5 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाने पर केंद्र सरकार से 78 हज़ार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त होगी। कुल मिलाकर उपभोक्ता को 1 लाख 8 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। इस

पहल से बिजली उपभोक्ता अपने घर की खपत पूरी करने के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी प्राप्त कर सकते हैं। जय गुप्त का कहना है कि यदि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना को अपनाएं, तो भविष्य में शहर ही नहीं, पूरा प्रदेश ऊर्जा आपूर्ति में आत्मनिर्भर बन सकता है। इस योजना दोहरा लाभ मिल रहा है, बिजली बचाइए और अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी कमाइए। यह आम आदमी को सशक्त बना रही है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए नेशनल पोर्टल पर अपने बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण करना होगा। इसके बाद अधिकृत वेंडर का चयन कर सोलर रूफटॉप प्लांट लगवाया जा सकता है। यदि उपभोक्ता किसी कारण वेंडर से संतुष्ट नहीं है, तो वेंडर बदलने का भी विकल्प है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

केंद्र और राज्य सरकार की इस संयुक्त पहल से आने वाले समय में हर घर की छत पर बिजली उत्पादन का साधन बनेगा। इससे न केवल घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि प्रदेश और देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी।

सूर्यघर योजना से शून्य हुआ बिजली बिल, उपभोक्ता बने ऊर्जा उत्पादक

गिरधर देवांगन का घर बना मिनी पावरहाऊस, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए साबित हो रही वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के गौरी नगर निवासी गिरधर लाल देवांगन इसका जीवंत उदाहरण हैं। श्री गिरधर देवांगन बताते हैं कि उन्हें जब समाचार पत्र के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत इस योजना के तहत आवेदन कर अपने घर की छत पर 5.5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया।

इस पर कुल लागत 3 लाख 40 हजार रूपए आयी। योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है, वहीं राज्य शासन की ओर से 30 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी मिलने वाली है। इस प्रकार 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी से सोलर सिस्टम की वास्तविक लागत आधी हो जाएगी।

श्री गिरधर देवांगन ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने के बाद पहले ही महीने से सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। उनके घर की मासिक औसत बिजली खपत लगभग 510 यूनिट है, जबकि सोलर पैनल से पहले महीने में 615 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। यह उनकी खपत से 105 यूनिट अधिक है। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा हो रही है, जिसका उपयोग आवश्यकता पडऩे पर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मेरे घर में सोलर सिस्टम से घर बन गया है मिनी पावरहाऊस। सूर्यघर योजना से मेरे घर का बिजली बिल शून्य हुआ और मैं उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बन गया हूं। श्री देवांगन ने कहा आगामी 4 से 5 वर्षों में ही सोलर पैनल की लागत निकल जाएगी जबकि सोलर पैनल 20-25 साल तक काम करता है, जिससे वर्षों तक मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले हम सिर्फ बिजली खर्च करते थे, अब हम बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। यह योजना हमारे लिए सचमुच वरदान साबित हुई है। उन्होंने बताया कि अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस बची हुए राशि को वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अन्य घरेलू आवश्यकताओं में खर्च कर पा रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग से कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे सीमित संसाधनों पर निर्भरता कम होती साथ ही प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गिरधर देवांगन ने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर बिजली खर्च में बचत करने और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

पिंकी मुद्रा लोन से बनी आत्मनिर्भर

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में मनोरा विकासखंड की ग्राम पंचायत मनोरा की रहने वाली पिंकी सोनी बिहान अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की योजनाओं की जानकारी मिली और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने पीएम मुद्रा लोन के तहत 70,000 रुपये का स्वयंसिद्धा लोन लिया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

ए आई में विडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर 8 लाख रूपये वसुली, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। पुरानी भिलाई थाने में प्रार्थिया द्वारा लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया गया। आरोपी उमाशंकर भारती द्वारा प्रार्थिया को ब्लैकमेल कर 8 लाख रूपये देने के बाद भी और पैसे की मांग कर रहा है नही देने पर व्हाटसप एवं इस्टाग्राम में फोटो को एआई एप्प में डाल के विडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दे रहा है। रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध कमांक 377/2025 धारा 308 (2) बीएनएस कायम किया गया है पेट्रोलिंग टीम के साथ आरोपी के दिये गये पते पर दबीश दिया गया जो घर पर उपस्थित नहीं मिले आसपास के लोगो से पूछताछ करने पर पता चला कि उमाशंकर को साहू होटल में चाय पीते देखा गया है। तत्काल पुलिस टीम साहू होटल के पास पहुंचकर आरोपी उमाशंकर भारती को पकड़कर हिरासत में लेकर थाना लाये जिसे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया आरोपी उमाशंकर भारती उर्फ दादु उम्र 27 साल निवासी ग्राम उमदा पुरानी मिलाई जिला दुर्ग को दिनांक 04.10.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अम्बर सिंह भारद्वाज, आरक्षक अरविन्द मेढे, आरक्षक संजय मनहरे, बंटी सिंह, राजकुमार सिंह, ईश्वर भारद्वाज का उल्लेखनीय भूमिका रही।

पहले साथ में बैठकर पी शराब, फिर अपने ही दोस्त का कर दी हत्या

रायपुर। प्रदेश में अपराध का ग्राफकम होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां आए दिन चाकूबाजी, हत्या जैसे कई अपराधिक घटनाएं सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया हैं, जहां दो युवक ने अपने ही दोस्ती की हत्या कर दी। पुलिस ने अब देनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पहले साथ में बैठकर सभी ने शराब पी। जिसके बाद दो आरोपी अपने ही दोस्त की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। इधर घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ली है। फ्लिहाल दोनों आरोपियों ने किस वजह से इस वारदात को अंजाम दिया है इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है।

तीन मंजिला अवैध बिल्डिंग पर चल रहा था ओयो होटल, निगम की टीम ने किया सील

बिलासपुर। न्यायधानी के बहतराई रोड स्थित गीतांजलि सिटी फेस-1 में निगम की बिना अनुमति तीन मंजिला भवन बनाकर ओयो होटल चलाया जा रहा था। पार्षद रेखा पांडेय की शिकायत के बाद निगम ने इस अवैध बिल्डिंग को सील कर दिया है। यह बिल्डिंग गायत्री केडिया की है, बिल्डिंग मालिक ह्ह्ह्ह का बोर्ड लगाकर यहां अवैध रूप से होटल संचालित कर रहा था। बिल्डिंग का नक्शा निगम से पास नहीं कराया गया। बावजूद इसके यहां 17 कमरों वाला होटल तैयार कर लिया गया था। यहां लंबे समय से ओयो होटल का संचालन किया जा रहा था। पार्षद रेखा पांडेय ने मामले की शिकायत निगम कमिश्नर से की थी।

रायकेरा दोहरे हत्याकांड का खुलासा, घरघोड़ा पुलिस ने पिता की हत्या करने वाले बेटे समेत दो को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घरघोड़ा थाना पुलिस ने रायकेरा गांव में हुए दोहरे हत्याकांड की गुत्थी को महज 24 घंटे में सुलझाकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों — रविशंकर सिदार और रामप्रसाद सिदार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जांच में सामने आया कि यह हत्या एनटीपीसी मुआवजा राशि के बंटवारे को लेकर चले लंबे विवाद के कारण की गई थी। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन और एसडीओपी सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में बनी टीम ने इस मामले का खुलासा किया। पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के चलते यह अंधा कत्ल केस 24 घंटे के भीतर सुलझ गया।

घटना का खुलासा 3 अक्टूबर को ग्राम रायकेरा के कोटवार सकिर्तन राठिया ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के घुराउ राम सिदार (55) और उनकी सास सुखमेत उर्फ सुकमेत सिदार (70) का शव उनके ही घर की परछी में पड़ा है। दोनों की गला दबाकर हत्या की गई थी। सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस, एफएसएल टीम और धरमजयगढ़ एसडीओपी मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दोनों की मौत गला दबाने और मारपीट के कारण हुई है। इस पर थाना घरघोड़ा में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का अपराध (क्रमांक 265/2025 धारा 103(1) बीएनएस) दर्ज किया गया और जांच प्रारंभ हुई। संदेह से खुलासा तक पुलिस ने जब मृतक के परिवारजनों और पड़ोसियों से पूछताछ की, तो कई विरोधाभासी बयान सामने आए। संदेह मृतक के बेटे रविशंकर सिदार और रिश्तेदार रामप्रसाद सिदार (83) पर गया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर सघन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान रविशंकर और रामप्रसाद ने हत्या की वारदात स्वीकार कर ली। आरोपियों ने बताया कि एनटीपीसी के अधिग्रहण मुआवजे की रकम के बंटवारे को लेकर कई महीनों से झगड़ा चल रहा था। मृतक घुराउ राम मुआवजा की पूरी राशि अपने नाम रखना चाहता था, जबकि बाकी परिवारजन हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। रामप्रसाद ने रविशंकर को अपने पिता के खिलाफ भड़काया। उसने पहले भी कई बार झगड़े के दौरान अपने पिता की पिटाई की थी। इसी रंजिश में 2 अक्टूबर की शाम को दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। हत्या की वारदात वारदात की रात रविशंकर और रामप्रसाद ने घर में मौजूद घुराउ राम पर अचानक हमला कर दिया। पहले दोनों ने उसकी जमकर पिटाई की और फिर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। जब वृद्धा सुखमेत सिदार ने यह देखा और शोर मचाया तो आरोपियों ने उसकी भी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों ने शवों को घर की परछी में छोड़ दिया और घटना स्थल से फरार हो गए। पुलिस की त्वरित कार्रवाई पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और उन्हें उसी रात हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त रस्सी बरामद की।

थाना प्रभारी कुमार गौरव ने बताया कि दोनों आरोपियों- रविशंकर सिदार (26) पुत्र घुराउ राम सिदार, रामप्रसाद सिदार उर्फ गरिहा (83) निवासी रायकेरा मांझापारा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस टीम को सफलता एसपी दिव्यांग कुमार पटेल ने इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा करने वाली टीम की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इतनी तेजी से केस सुलझाना पुलिस की तत्परता और प्रोफेशनलिज्म को दर्शाता है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कुमार गौरव के साथ एएसआई खेमराज पटेल, एएसआई रामसजीवन वर्मा, प्रधान आरक्षक पारसमणि बेहरा, आरक्षक हरीश पटेल, चंद्रशेखर चंद्राकर, प्रदीप तिग्गा और स्थानीय सहयोगी कालिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पापड़ी देने में देरी पर दो बदमाशों ने किया चाकू से हमला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में देर रात एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गंजपारा चौक इलाके में गुपचुप बेचने वाले एक युवक को सिर्फ पापड़ी देने में कुछ मिनटों की देरी करना महंगा पड़ गया। दो बदमाशों ने देर से पापड़ी देने पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह पूरा मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंजपारा चौक गेट नंबर-2 का है। जानकारी के मुताबिक, अनिल वर्मा नाम का युवक रात करीब 10:30 बजे अपने ठेले पर गुपचुप बेच रहा था। तभी दो युवक वहां पहुंचे और उससे पापड़ी देने की मांग की। उस समय अनिल कुछ ग्राहकों को परोस रहा था, इसलिए उसने उनसे कहा कि 'पांच मिनट बाद दे दूंगा।' बस, इतनी सी बात पर एक युवक भड़क उठा और विवाद करने लगा।

गुस्से में आए आरोपी ने अपनी जेब से चाकू निकाला और अनिल की छाती पर वार कर दिया। हमले के बाद अनिल जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान उसका दामाद दीपक वर्मा मदद के लिए दौड़ा, लेकिन दूसरे युवक ने उस पर भी हमला करने की कोशिश की। दोनों आरोपी हमले के बाद मौके से भाग निकले। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल अनिल को जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अस्पताल में घायल अनिल से पुलिस ने बयान लिया, जिसके आधार पर धारा 109 और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं।

बांध में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के परपोड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव बांध में पाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार कर उसे सीएचसी (चिकित्सालय) भेज दिया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और मृतक के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं है। प्रारंभिक निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि शव लंबे समय से पानी में पड़ा था।

पुलिस को घटनास्थल पर कपड़ों की स्थिति और अन्य संकेतों के आधार पर कुछ सुराग मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव मिलने के बाद परपोड़ी थाना प्रभारी ने फॉरेंसिक टीम को भी सूचित किया है। फॉरेंसिक टीम शव का प्रारंभिक परीक्षण करेगी और यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि मौत की वास्तविक वजह संदिग्ध हत्या, आत्महत्या या हादसे से हुई है। स्थानीय लोग और आसपास के ग्रामीण घटना स्थल पर जमा हुए और शव को देखकर डर और चिंता का माहौल बन गया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी सहयोग मांगते हुए किसी भी संदिग्ध जानकारी के लिए आवेदन करने की अपील की। अधिकारी ने बताया कि शव की पहचान न होने के कारण पुलिस अब आस-पास के इलाकों में जांच और लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज और आसपास के क्षेत्रों के गवाहों से भी जानकारी जुटा रही है ताकि मृतक की पहचान जल्द से जल्द की जा सके। पुलिस का कहना है कि फ्लिहाल यह एक अज्ञात शव मामला है और हर पहलू पर गंभीरता से जांच जारी है। शव का पोस्टमॉर्टम कर उसका मृत्यु कारण और समय निश्चित किया जाएगा। घटना के मद्देनज़र परपोड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और आसपास के इलाकों में निगरानी कड़ी कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी ने किसी अज्ञात व्यक्ति के बारे में जानकारी देखी या सुनी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। यह मामला इलाके में चिंता का विषय बन गया है क्योंकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और कारण अस्पष्ट हैं। पुलिस और प्रशासन द्वारा जांच तेज़ कर दी गई है और उम्मीद जताई जा रही है कि कुछ ही समय में मामला सुलझ जाएगा।

दो भाइयों के बीच हुआ विवाद, हमलावरों ने किया जानलेवा हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के दशरमा रोड क्षेत्र में 3 अक्टूबर की रात एक व्यक्ति ने मारपीट और जान से मारने की धमकी की गंभीर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना में शामिल आरोपियों ने गाली-गलौच के साथ-साथ खपरा उठाकर हमला किया, जिससे पीड़ित को सिर और कान में चोटें आई हैं। घटना के संबंध में पीड़ित ने बताया कि वह दशरमा रोड बलौदाबाजार का निवासी है और रोजी-मजदूरी का काम करता है। दिनांक 03.10.2025 की रात्रि लगभग 9:30 बजे वह धन्नु ठेला के पास गया और अपने भाई पवन नवरंगे को आवाज देकर बुलाया। इस दौरान उसके भाई के साथ मनोज बंजारे, अशोक बंजारे और उनके साथी भी उपस्थित हो गए। पीड़ित ने बताया कि उसने अपने भाई से कहा कि घर में बहन लोग आए हैं और चलो खाना खा लें। इस पर मनोज बंजारे, अशोक बंजारे और उनके साथी नाराज हो गए और आरोप लगाया कि वह अपने भाई को खाना खिलाने ले जा रहा है और उन्हें बुला नहीं रहा है। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और पीड़ित के प्रति अश्लील गालियों का प्रयोग किया। जब पीड़ित ने गाली-गलौच करने से मना किया, तो आरोपियों ने एक साथ मिलकर उसे धमकी दी कि वे उसे जान से मार देंगे। इसके बाद आरोपियों ने हाथ-मुक्का मारने के साथ-साथ पास में पड़े खपरा को उठाकर पीड़ित के सिर और बांए कान पर हमला किया। इस हमले से पीड़ित को गंभीर चोटें आई हैं। घटना को देख कर पीड़ित के भाई पवन नवरंगे और तिरिथ मेहर ने बीच-बचाव किया और मामले को गंभीरता से संभाला।

पीड़ित ने इस पूरे घटनाक्रम की सूचना पुलिस को दी और कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों और आसपास के नागरिकों ने घटना को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि इस तरह की हिंसक घटनाएं न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालती हैं बल्कि पूरे क्षेत्र में भय का माहौल उत्पन्न करती हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की है। बलौदाबाजार पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और उन्हें मेडिकल जांच कराने की भी सलाह दी गई है। इस घटना ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि व्यक्तिगत झगड़े और छोटे विवाद कभी-कभी गंभीर हिंसा में बदल सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय समुदाय और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय और जागरूकता जरूरी है।

लोनर हाथी ने ढलकुंडा में मकान को किया क्षतिग्रस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज अंतर्गत तनेरा सर्किल में हाथियों का आतंक व उत्पात लगातार जारी है। यहां के बीजाडांड क्षेत्र में विचरण कर रहे 52 हाथियों के दल में से एक लोनर हाथी बीती रात लगभग 2 बजे झुंड से अलग होकर हरदेवा ग्राम पंचायत के ढलकुंडा गांव पहुंच गया और श्यामकली नामक एक महिला के कच्चे मकान को निशाना बनाते हुए उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। लोनर हाथी ने जिस समय महिला के घर को निशाना बनाया उस समय महिला व उसका परिवार घर में ताला लगाकर अन्य स्थान पर शरण लेने चला गया था।

लोनर ने सूने घर पर हमला बोला और उसके एक हिस्से को ढहा दिया। हाथी द्वारा घर तोड़े जाने की जानकारी आज सुबह महिला को लगी जब वह अपने घर पहुंची तो उसे टूटा हुआ पाया। पास में हाथी के पैरों के निशान थे। उसने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिस पर वन अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आंकलन में जुट गया है। इस बीच हाथियों के दल ने बीजाडांड, सूखाबहरा व अन्य स्थान पर उत्पात मचाते हुए 20 ग्रामीणों के धान फसल को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया है। पीडित ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी है। जिस पर उसके अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आंकलन में जुट गए हैं। पसान रेंज के ही सेन्हा गांव में दो दंतैल हाथी विचरण कर रहे हैं। इन हाथियों ने भी यहां उत्पात मचाते हुए चार ग्रामीणों के धान फसल को नष्ट कर दिया है।

इस बीच कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में अचानक धमके हाथियों ने एक बार फिर छाल रेंज का रूख कर लिया है। इस क्षेत्र में दो हाथी कल पहुंचे थे और नोनदरहा गांव के जंगल में विचरण कर रहे थे। हाथियों ने दिन भर यहां डेरा डालने के बाद रात में मूवमेंट किया और जंगल ही जंगल होते हुए सुबह होने से पहले छाल रेंज पहुंचकर वहां विचरण करने लगा है। हाथियों के छाल पहुंचने की सूचना संबंधित अमले को दे दी गई है।

फरार गांजा तस्कर सुलेमान लकड़ा गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के जूटमिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार गांजा तस्कर सुलेमान लकड़ा उर्फ सुले (21 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपी का पिता का नाम पंकज लकड़ा है और वह छातामुड़ा, संत विनोबा नगर का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर एनडीपीएस मामले में न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। यह गिरफ्तारी उस मामले का मुख्य मोड़ है, जिसमें 25 अगस्त की शाम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गढ़उमरिया मेन रोड पर घेराबंदी कर ओडिशा से गांजा लेकर रायगढ़ की ओर आ रहे दो व्यक्तियों को पकड़ा था।

पकड़े गए आरोपियों में दिलीप सिंह राजपूत (33 वर्ष) और एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल थे। उनके कब्जे से कुल 1 किलो 558 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 15 हजार रुपये बताई गई। इसके अलावा पुलिस ने होंडा साइन मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 30 हजार रुपये) और दो मोबाइल फोन (वीवो और रियलमी नारजो) भी जब्त किए।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मुख्य आरोपी सुलेमान लकड़ा के साथ मिलकर ओडिशा से अवैध रूप से गांजा लेकर रायगढ़ क्षेत्र में सप्लाई करते थे। इस मामले में जूटमिल पुलिस ने अपराध क्रमांक 301/2025, धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया और उन्हें रिमांड पर भेजा। मुख्य आरोपी सुलेमान लकड़ा घटना के बाद फरार था। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार फरार आरोपी की तलाश में जुटी रही। मुखबिर की सूचना पर शनिवार को घेराबंदी कर पुलिस ने सुलेमान लकड़ा को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट तैयार कर उसे सक्षम न्यायालय में पेश किया।

न्यायालय ने उसे रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया। इस कार्रवाई से जूटमिल पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर एक बार फिर सख्त प्रहार किया है। एसपी दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई न केवल नशे के कारोबार को रोकने में प्रभावी साबित होगी, बल्कि अपराधियों के लिए चेतावनी भी है। पुलिस ने बताया कि जूटमिल क्षेत्र में नशे की तस्करी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बस्तर दशहरा मेला आदिवासी समाज, छत्तीसगढ़ या भारत के लिए ही नहीं बल्कि दुनियाभर का सबसे बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव है : अमित शाह

केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर और समस्त नक्सल क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित बस्तर दशहरा महोत्सव को संबोधित किया। इससे पहले अमित शाह ने प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन और पूजन किया। बस्तर दशहरा महोत्सवअवसर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री डॉ. विजय शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 75 दिनों तक चलने वाला विश्व का सबसे बड़ा और अनूठा बस्तर दशहरा मेला न केवल आदिवासी समाज, बस्तर, छत्तीसगढ़ या भारत बल्कि पूरे विश्व में सबसे बाद सांस्कृतिक महोत्सव है।

श्री शाह ने कहा कि आज माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के दौरान उन्होंने प्रार्थना की कि वे हमारे सुरक्षा बलों को शक्ति दें ताकि वे 31 मार्च 2026 तक बस्तर क्षेत्र को लाल आतंक से मुक्त कर सकें। श्री शाह ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों तक यह भ्रांति फैलाते रहे कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई है, जबकि सच यह है कि बस्तर के विकास से वंचित रहने का मूल कारण नक्सलवाद ही है। उन्होंने कहा कि आज देश के हर गाँव में बिजली, पेयजल, सड़क, हर घर में शौचालय, पाँच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और पाँच किलो मुफ्त अनाज के साथ-साथ चावल को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने की व्यवस्था पहुँच चुकी है, लेकिन बस्तर प्रगति की इस दौड़ में पीछे रह गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर से यह आश्वासन देना चाहते हैं कि 31 मार्च, 2026 के बाद नक्सलवादी न तो बस्तर के विकास और न ही बस्तर के लोगों के अधिकारों को रोक पाएंगे। श्री शाह ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के जो बच्चे भटक कर नक्सलवाद से जुड़ गए हैं, वे स्थानीय गांवों के ही हैं। श्री शाह ने बस्तर के लोगों से अपील की कि वे भटके हुए इन बच्चों को हथियार छोड़ कर मुख्यधारा में शामिल होने की बात समझाएं, ताकि वे बस्तर के विकास में सहभागी बनें।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन ने देश की सबसे बेहतर सरेंडर नीति बनाई है। पिछले एक महीने में ही 500 से अधिक लोग सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे सरेंडर कर दें। श्री शाह ने कहा कि जिस गाँव में नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा, वहाँ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गाँव के विकास के लिए 1 करोड़ रुपए दिए जाएँगे। श्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी का भला नहीं हुआ है और यह समस्या अब काफी हद तक कम हो चुकी है।

अमित शाह ने कहा कि कि केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए पूर्णत: समर्पित हैं और इसके लिए आकर्षक नीतियाँ बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए पिछले 10 वर्षों में लगभग 4 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। छत्तीसगढ़ का विकास दिन-दूनी,रात-चौगुनी गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग स्थापित हो रहे हैं, शिक्षा के संस्थान बन रहे हैं, और स्वास्थ्य संस्थानों का विकास हो रहा है। साथ ही हमारे लघु उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमने बहुत मोहक आत्मसमर्पण नीति बनाई है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे हथियार डाल दें। श्री शाह ने साथ ही चेताया भी कि यदि हथियारों के जरिए बस्तर की शांति को भंग करने का प्रयास किया गया, तो हमारे सशस्त्र बल, सीआरपीएफऔर छत्तीसगढ़ पुलिस मिलकर इसका करारा जवाब देंगी। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 की तिथि तय है, जब नक्सलवाद को इस देश से पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि इस बार बस्तर ओलंपिक में देशभर के आदिवासी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर का पंडुम उत्सव, खान-पान, वेश-भूषा, कला, और वाद्य यंत्र न केवल बस्तर में, बल्कि पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी का यही संकल्प है कि हमारी संस्कृति, भाषा, खान-पान, वेश-भूषा और वाद्य यंत्र सदियों तक न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व के लिए संरक्षित रहें। इस संकल्प को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार कटिबद्ध हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर में 1874 से आज तक मुरिया दरबार में सक्रिय भागीदारी, न्यायिक व्यवस्था, आदिवासी संस्कृति को संरक्षित करने का चिंतन और जनसंवाद की ऐतिहासिक परंपरा किसी वैश्विक धरोहर से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि मुरिया दरबार पूरे देश के लिए प्रेरणा और जानकारी का विषय है।

अमित शाह ने स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लंबे समय से स्वदेशी पर जोर दिया है। स्वदेशी जागरण मंच कई वर्षों से स्वदेशी को जन-आंदोलन के रूप मेंचला रहा है। अब मोदी जी ने सभी से आह्वान किया है कि प्रत्येक घर को यह संकल्प लेना है कि हम केवल अपने देश में बनी वस्तुओं का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यापारी को यह संकल्प लेना है कि उनकी दुकान या शॉपिंग मॉल में विदेशी वस्तुएँ उपलब्ध नहीं होंगी। श्री शाह ने कहा कि यदि 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के इस संकल्प को आत्मसात कर ले, तो भारत को विश्व की सर्वोच्च आर्थिक शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने हाल ही में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की माताओं-बहनों को 395 वस्तुओं पर जीएसटी में भारी छूट देकर बड़ी राहत प्रदान की है। खाने-पीने की लगभग सभी चीजों को कर-मुक्त कर दिया गया है, और रोजमर्रा की उपयोग की वस्तुओं पर केवल पाँच प्रतिशत कर रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश में इतनी बड़ी कर कटौती पहले कभी नहीं हुई, जितनी मोदी जी ने की है। इसके साथ ही, यदि हम स्वदेशी के संस्कारों को अपनाते हैं, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति मिलेगी। श्री शाह ने कहा कि बस्तर दशहरा महोत्सव में 300 से अधिक स्वदेशी कंपनियाँ हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वॉकथॉन स्वदेशी भावना को नई पहचान देने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। आज देशभर में आयोजित हो रहे स्वदेशी मेलों के माध्यम से स्वदेशी अभियान को और गति मिल रही है।

अमित शाह ने कहा कि श्रावण अमावस्या से अश्विन शुक्ल त्रयोदशी तक चलने वाला बस्तर का 75 दिनों का दशहरा हम सभी के लिए गौरव, पहचान और अभिमान का विषय है। उन्होंने कहा कि 14वीं शताब्दी से शुरू हुई रथ यात्रा ने इस पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक जागृति की शुरुआत की। श्री शाह ने कहा कि माँ दंतेश्वरी की रथ यात्रा में 66 आदिवासी और कई गैर-आदिवासी समूह भाग लेते हैं। श्री शाह ने कहा कि बस्तर दशहरा और मुरिया दरबार आदिवासियों को जोड़ने का कार्य करते हैं और पूरे बस्तर को एक सूत्र में पिरोते हैं।

अमित शाह ने कहा कि नारायणपुर जिले के पंडी राम मंडावी और हेमचंद मांझी, तथा कांकेर के अजय कुमार मंडावी को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा महोत्सव के अवसर पर आज 'महतारी वंदन योजना' की 20वीं किस्त के रूप में 70 लाख छत्तीसगढ़ी माताओं को 607 करोड़ रुपए वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ किया गया है। यह योजना बस्तर और सरगुजा संभागों में लागू की गई है और इसके तहत 250 गाँव समाहित किए गए हैं।

आदिवासियों के सम्मान में अनेक योजनाएँ शुरू की

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने आदिवासियों के सम्मान में अनेक योजनाएँ शुरू की हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहली बार देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी समुदाय की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर गौरवपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जब महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी विश्व के राष्ट्राध्यक्षों से मिलती हैं, तो न केवल आदिवासी समाज, बल्कि हम सभी का हृदय गर्व से भर जाता है। लोकतंत्र के सर्वोच्च पद पर ओडिशा के एक गरीब परिवार की बेटी का महामहिम के रूप में आसीन होना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उनकी जयंती को आदिवासी गौरव दिवस के रूप में स्थापित किया गया। बस्तर संभाग के सातों जिलों में नक्सलवाद छोड़कर सरेंडर करने वाले व्यक्तियों और नक्सली हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 15,000 से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का कार्य भी प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है।

मुरिया दरबार में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मांझी-चालकी से किया सीधा संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने किया सहयोग का आह्वान

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर जगदलपुर के सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुए। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के चित्र पर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से सीधा संवाद करते हुए बस्तर से माओवाद को समाप्त करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि माओवाद से जुड़कर हथियार उठा चुके बच्चों को समझाएं कि वे मुख्यधारा में लौटें और शासन की योजनाओं का लाभ लें। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस्तर के विकास और नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से संवाद करते हुए कहा कि मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बस्तर के युवा डॉक्टर, इंजीनियर, डिप्टी कलेक्टर और कलेक्टर बनकर पूरे छत्तीसगढ़ की सेवा करें। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि युवा नक्सलवाद से न जुड़ें और जो जुड़ चुके हैं, वे आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें। जहां-जहां नक्सलवाद समाप्त हुआ है, वहां छत्तीसगढ़ सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है और लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुरिया दरबार में मांझी-चालकी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बस्तर दशहरा पर्व को और भव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बस्तर दशहरा के लिए दी जाने वाली राशि 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की जा रही है। साथ ही बस्तर दशहरा पर्व के परंपरागत स्थलों जिया डेरा, माडिया सराय इत्यादि के विकास और निर्माण कार्य भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य अतिथियों का बस्तर दशहरा समिति के परंपरागत सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरिन और नाईक-पाईक ने पारंपरिक पगड़ी एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। मुरिया दरबार को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद कांकेर भोजराज नाग, विधायक जगदलपुर किरण देव, विधायक कोण्डागांव लता उसेण्डी, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी, विधायक केशकाल नीलकंठ टेकाम, विधायक कांकेर आशाराम नेताम, बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी सहित बस्तर दशहरा समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरिन और नाईक-पाईक उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में लाई है नई रोशनी : अमित शाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माई दंतेश्वरी की धरती से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दी महतारी वंदन की सौगातप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मोदी की गारंटी' के तहत शुरू की गई महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में नई रोशनी लाई है। यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज जगदलपुर में बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार के अवसर पर माई दंतेश्वरी की धरती से राज्य की 64 लाख 94 हजार 768 हितग्राही महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त के रूप में 606 करोड़ 94 लाख रुपये की राशि अंतरित करते हुए यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि हर महिला सशक्त और आत्मनिर्भर बने तथा देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में बराबरी की भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने जिस पारदर्शिता और प्रतिबद्धता से इस योजना को लागू किया है, वह पूरे देश के लिए एक आदर्श है। यह योजना आने वाले वर्षों में प्रदेश के सतत विकास और महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींव साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में आत्मविश्वास और सम्मान की नई ऊर्जा का संचार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'मोदी की गारंटी' के रूप में मिली यह सौगात हमारे प्रदेश की महिलाओं को न केवल आर्थिक सहयोग दे रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज और परिवार में एक नई पहचान भी दिला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि छत्तीसगढ़ की हर महिला सशक्त बने और विकास की यात्रा में बराबरी की भागीदार बने। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ सरकार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने का साधन दिया है, बल्कि उन्हें समाज में आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता के साथ जीने का अवसर भी प्रदान किया है।

उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी पहल कही जाने वाली महतारी वंदन योजना की शुरुआत 1 मार्च 2024 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य 21 वर्ष से अधिक आयु की विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। अब तक योजना की 19 किस्तों में लाभार्थी महिलाओं को कुल 12376 करोड़ 19 लाख रुपये की राशि दी जा चुकी थी। आज 20वीं किस्त जारी होने के साथ यह आंकड़ा बढ़कर 12983 करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक हो गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950